घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 174- रविवार 26 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

गाजीपुर घटना में दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और घटना की उच्चस्तरीय जांच हो : राहुल गांधी

नई दिल्ली,25 अप्रैल 2026। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक महिला के साथ बलात्कार और हत्या मामले में राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हाथरस, कठुआ, उन्नाव और अब गाजीपुर की घटनाओं को एक पैटर्न बताते हुए कहा कि हर बार पीड़िता दलित, पिछड़ी, आदिवासी या गरीब होती है और अपराधियों को संरक्षण मिलता है। उन्होंने मणिपुर की घटना का भी उल्लेख किया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सत्ता हर बार चुप रहती है और जिनसे बोलने की उम्मीद होती है, वे मौन रहते हैं। जिस देश में माता-पिता को अपनी बेटी की एफआईआर लिखवाने के लिए भीख मांगनी पड़े, उस सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

असम में 100 और पश्चिम बंगाल में 200 से अधिक सीटें जितेंगी भाजपा : हिमंत बिस्वा सरमा

कोलकाता,25 अप्रैल 2026। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद राज्य का माहौल पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में दिखाई दे रहा है। उनके अनुसार, इस बार पश्चिम बंगाल में पार्टी 200 से अधिक सीटें जीत सकती है। शनिवार को कोलकाता में एक प्रेसवार्ता के दौरान हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि वह वर्ष 2016 और 2019 के चुनावों के दौरान भी पश्चिम बंगाल आए थे, लेकिन इस बार जैसा जनसमर्थन पहले कभी देखने को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पहले लोगों के मन में संकोच और असमंजस था, लेकिन अब वह पूरी तरह समाप्त हो चुका है और मतदाता खुलकर समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान के बाद भाजपा को बड़ी बढ़त मिली है। सरमा के अनुसार, पहले चरण में ही पार्टी लगभग 110 सीटों पर जीत की स्थिति में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा 200 सीटों का आंकड़ा पार कर जाती है, तो इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। असम को लेकर भी मुख्यमंत्री ने बड़ा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि इस बार असम में भाजपा 100 सीटों का आंकड़ा पार करेगी और राज्य में फिर से मजबूत सरकार बनाएगी।

पीडीएस राशन घोटाला मामले में बंगाल में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी,कोलकाला-बर्धवान में 9 ठिकानों पर रेड

कोलकाता,25 अप्रैल 2026। बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार सुबह पीडीएस राशन घोटाला मामले में कोलकाता और बर्धमान में एक साथ 9 ठिकानों पर छापेमारी की है। मामले में कोलकाता, बर्धवान और उत्तर 24 परगना के हाबरा में सप्लायर्स और एक्सपोर्टर्स के जुड़े 9 ठिकानों पर छापा मारा गया है। दरअसल, साल 2020 में पश्चिम बंगाल की पुलिस ने एक एफआईआर दर्ज की थी। यह एफआईआर बशीरहाट पुलिस स्टेशन में घोझाडांगा एलसीएस के सीमा शुल्क उपायुक्त की शिकायत के बाद दर्ज की गई थी। इस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए तय किए गए पीडीएस यानी सार्वजनिकक वितरण प्रणाली में दिए जाने वाले गेंहू की भारी मात्रा में हेराफेरी की गई थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गोघाट में किया रोड शो

रैली में राजनाथ बोले...परिवर्तन होना तय

हुगली,25 अप्रैल 2026। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विश्वास जताया कि भाजपा पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में परिवर्तन न केवल संभव है, बल्कि निश्चित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले चरण में लगभग 93 फीसदी मतदान से स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस सरकार सत्ता से बाहर हो रही है। उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि भाजपा या एनडीए सरकार ही इसकी गारंटी दे सकती है।

गुंडे जेल में होंगे या 'ऊपर' होंगे : राजनाथ सिंह

हुगली में एक रोड शो के दौरान बोलते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'मैंने पहले ही कहा था कि बंगाल में अब गुंडे नहीं रहेंगे। अगर वे रहे, तो वे बंगाल की जेलों में होंगे या 'ऊपर होंगे'... हम कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे। हम किसानों को उचित मूल्य देंगे, युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे और साथ ही, हम अच्छी सड़कें बनाएंगे। सभी बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।'

भाजपा का विश्वास और टीएमसी पर हमला

राजनाथ सिंह ने कहा कि 2011 में 84 फीसदी मतदान पर वाम सरकार हटी थी, इस बार 93 फीसदी मतदान टीएमसी सरकार के जाने का संकेत है। उन्होंने ममता बनर्जी की टिप्पणियों को निराशाजनक बताया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। राज्य में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान हुआ था, जिसकी मतगणना 4 मई को होगी।

राहुल ने कहा...मोदी सरकार ने सीएम ममता के खिलाफ नहीं किए केस

वहीं हुगली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने उन पर कई मामले दर्ज किए हैं, लेकिन ममता बनर्जी पर नहीं। उन्होंने दावा किया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि ममता बनर्जी भाजपा से सीधे नहीं लड़ती हैं। गांधी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने उनसे 55 घंटे पूछताछ की, जबकि ममता बनर्जी से कोई पूछताछ नहीं हुई।

राहुल गांधी के केंद्र पर आरोप

राहुल गांधी ने कहा कि उनके खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं, उनकी लोकसभा सदस्यता छीनी गई और उन्हें कई राज्यों में यात्रा करनी पड़ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में उद्योग नष्ट किए और बेरोजगारी बढ़ाई। गांधी ने सारदा और रोज वैली जैसे हजारों करोड़ रुपये के घोटालों का भी जिक्र किया। उन्होंने कोयला तस्करी, अवैध खनन और गुंडा कर जैसे मुद्दों पर भी टीएमसी सरकार को घेरा।

कांग्रेस बनाम भाजपा और टीएमसी

राहुल गांधी ने दावा किया कि केवल कांग्रेस पार्टी ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से वैचारिक आधार पर लड़ती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी केवल चुनाव के दौरान ममता बनर्जी पर हमला करते हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि टीएमसी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर वही अत्याचार करती है जो भाजपा देश के अन्य हिस्सों में करती है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल में भाजपा के लिए रास्ता खोल रही हैं।

स्वाति मालीवाल का आम आदमी पार्टी से इस्तीफा

राज्यसभा सांसद बोलीं...मैं पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा करके भाजपा में आई

नई दिल्ली,25 अप्रैल 2026। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि मैंने आप छोड़ दी है और भाजपा में शामिल हो गई हूं। मालीवाल ने रचनात्मक राजनीति करने के इच्छुक सभी लोगों से भाजपा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह 2006 से अरविंद केजरीवाल के साथ काम कर रही थीं। उन्होंने हर आंदोलन में उनका साथ दिया। मालीवाल ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने उनके घर में एक गुंडे से पिटाई करवाई। आवाज उठाने पर उन्हें धमकाया गया। उन पर एफआईआर वापस लेने का बहुत दबाव डाला गया। पार्टी ने उन्हें दो साल तक संसद में बोलने का अवसर नहीं दिया। इसे उन्होंने बहुत शर्मनाक बताया। उन्होंने केजरीवाल को महिला-विरोधी भी कहा।

केजरीवाल पर गंभीर आरोप

मालीवाल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी पंजाब को रिमोट से नियंत्रित कर रही है। इससे पंजाब उनका निजी एटीएम बन गया है। पंजाब में रेत खनन और नशीली पदार्थों का इस्तेमाल चरम पर है। जो नेता आवाज उठाते हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है। केजरीवाल भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी के लिए जाने जाते हैं।

मोदी के नेतृत्व पर विश्वास

मालीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया। मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के विकास के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। इनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' और नक्सलवाद का खात्मा शामिल है। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण बिल पेश करने जैसे फैसलों की भी सराहना की। मालीवाल ने दोहराया कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

कोई भी एजेंसी मुझे डरा नहीं सकती

भाजपा में शामिल होने पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि पूरा देश जानता है कि स्वाति मालीवाल किसी से नहीं डरतीं है। देश की कोई भी एजेंसी मुझे डरा नहीं सकती। अब तक कोई भी अच्छा इंसान अरविंद केजरीवाल के साथ नहीं रहा है। वह किसी पर आरोप कैसे लगा सकते हैं, जब वह खुद भ्रष्टाचार में शामिल हैं?

भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा,कोई संदेह नहीं : भागवत

राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे,वैसे ही यह लक्ष्य भी अब तय है...

नागपुर,25 अप्रैल 2026। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे। लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

भारत के भविष्य पर संदेह न करें : भागवत

आरएसएस चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है।

पश्चिमी चश्मे को उतार फेंकने की जरूरत : भागवत

डॉक्टर भागवत ने कहा कि भारत को यदि वास्तव में समझना है, तो इसे इसकी अपनी सभ्यता और सनातन मूल्यों की दृष्टि से देखना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 150 वर्षों में विकसित हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा। यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने दैनिक जीवन में उतारना शुरू करना होगा।

पश्चिमी सोच को त्यागकर भारतीय परंपराओं से जुड़ें : भागवत

आरएसएस प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबार जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। भारत को जानना, स्वीकार करना और दैनिक जीवन में जीना जरूरी है। इस बात पर जोर देते हुए कि आत्म-साक्षात्कार की ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से ही एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

पंजाब सीएम ने राष्ट्रपति से मिलने का टाइम मांगा,सभी एमएलएल साथ ले जाएंगे

चंडीगढ़,25 अप्रैल 2026। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने 7 आम आदमी पार्टी सांसदों के पार्टी छोड़ने को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात का टाइम मांगा है। पंजाब सीएम ऑफिस से जुड़े सोर्सेज के मुताबिक सीएम मान पंजाब के सभी विधायकों को लेकर दिल्ली जाकर राष्ट्रपति से मिलना चाहते हैं। वह पार्टी बदलने वाले 7 सांसदों के राइट टू रिकॉल की मांग करेंगे और इस पर अपना पक्ष रखेंगे। इसके अलावा आम आदमी पार्टीके राज्यसभा सांसद संजय सिंह उपराष्ट्रपति से मिलेंगे। जहां वे पार्टी छोड़ने वाले सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग करेंगे। संजय सिंह और पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि सिर्फ 3 ही सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं।

पंजाब में फूटा आप कार्यकर्ताओं का गुस्सा : सांसद हरभजन सिंह और राजेंद्र गुप्ता के घर की दीवारों पर लिखा-गद्दार

चंडीगढ़,25 अप्रैल 2026। आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में जाने के बाद पंजाब में आप कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जालंधर में कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के प्रति अपना रोष व्यक्त करते हुए उनके आवास की दीवारों पर गद्दार लिख दिया। वहीं लुधियाना में आम आदमी को छोड़कर भाजपा में गए सांसद राजेंद्र गुप्ता के ऑफिस की दीवार पर पंजाब के गद्दार लिखा गया। हाल ही में भाजपा ज्वाइन करने वाले आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक व नेता प्रतिपक्ष रहे एडवोकेट एचएस फुलका ने कहा कि जिस तरह से केजरीवाल और भगवंत मान ने पंजाब को बर्बाद कर दिया है, उसे देखते हुए आप में पंजाब की फिक्र करने वालों को उनके खिलाफ खड़े होकर बगावत करनी चाहिए। उन्होंने कहा राघव चड्ढा और अन्य सांसदों ने जिस हिम्मत के साथ अपनी आवाज़ उठाई है मैं उसकी तारीफ़ करता हूं। वहीं, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में विलय को 'निंदनीय' करार दिया है। शनिवार को सुनाम दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि पार्टी इस तरह के झटकों से घबराने वाली नहीं है, बल्कि हर बार ऐसी चुनौतियों से और मजबूत होकर उभरी है। सांसदों के पाला बदलने पर हैरानी जताते हुए अमन अरोड़ा ने कहा कि राजनीति में सब्र और अपने स्टैंड पर कायम रहना बेहद जरूरी है। यह समझ से परे है कि संदीप पाठक और राघव चड्ढा जैसे नेता किस दबाव में आकर पार्टी छोड़ गए। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के भी खिलाफ है। अरोड़ा ने कहा कि इस प्रकरण की जानकारी शायद राष्ट्रीय नेतृत्व या मुख्यमंत्री भगवंत मान को हो, लेकिन उनके संज्ञान में यह मामला नहीं था।

प्रवेश वर्मा का अरविंद केजरीवाल के नए घर पर तंज

कहा...'आम आदमी' नहीं,यह 'आलीशान आदमी पार्टी' है...

दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने केजरीवाल पर सादगी की राजनीति का दावा करने के बावजूद आलीशान जीवनशैली अपनाने का आरोप लगाया और उनके नए सरकारी आवास को लेकर कई सवाल खड़े किए। मंत्री प्रवेश वर्मा ने प्रेसवार्ता कर कहा, 'आज एक बार फिर आपके सामने वे लोग हैं, जो दिल्ली की जनता को धोखा देते आ रहे हैं। अन्ना आंदोलन का सहारा लेकर, महात्मा गांधी, शहीद भगत सिंह और बाबासाहेब अंबेडकर की तस्वीरों का सहारा लेकर, आम आदमी पार्टी की टोपी पहनकर जिन्होंने एक रुपये के स्टाम्प पेपर पर यह हलफनामा दिया था कि 'मैं सरकारी घर नहीं लूंगा, बंगला नहीं लूंगा, गाड़ी नहीं लूंगा', जो अपने बच्चों की झूठी कसम खाते हैं। दिल्ली के 'रहमान डकैत' निकले हैं। उन्होंने खास तौर पर केजरीवाल के नए सरकारी आवास का जिक्र करते हुए कहा कि वे वर्षों तक अदालतों में जाकर सरकारी घर की मांग करते रहे।

मणिपुर : मुख्यमंत्री आवास की ओर कोकोमी के मार्च से बढ़ा तनाव,आंसू गैस के गोले दागे गए

इंफाल,25 अप्रैल 2026। इंफाल में 'कोऑर्डिनेटिंग कमिटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी' (कोकोमी) द्वारा शनिवार को आयोजित एक विशाल रैली के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें शुरू हो गईं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। रैली दोपहर करीब एक बजे शुरू हुई, जिसमें घाटी के कई जिलों में अलग-अलग जगहों पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। इन जगहों में लामलोंग बाज़ार, लंबोई खोंगनांगखोंग, काकवा केइथेल, टिडिम ग्राउंड, हाओ ग्राउंड और ओरिएंटल कॉलेज शामिल थे। कीशामथोंग, वांगोई और खांगेमबल्ली से भी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी इस रैली में शामिल हुए। बाद में सभी प्रदर्शनकारी एक जगह इकट्ठा हुए और टिडिम रोड की ओर मार्च किया। उनका मकसद मुख्यमंत्री के आवास तक पहुंचकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपना था, जिसमें छह मुख्य मांगें रखी गई थीं। इन मांगों में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, हालिया हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना और मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना शामिल था। जैसे-जैसे रैली आगे बढ़ी, तनाव बढ़ता गया, जिससे प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर आंसू गैस के गोले दागे। ख्वायरमबंद इमा केइथेल के पास स्थिति विशेष रूप से तनावपूर्ण बनी रही। यहां बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी इकट्ठा थे और अपने प्रतिनिधियों से मिलने वाली जानकारी का इंतज़ार कर रहे थे।

राजस्थान : नीमराना में कबाड़ के गोदाम में आग लगने से 7 साल की बच्ची समेत 4 लोग जिंदा जले

नीमराना,25 अप्रैल 2026। कोटपूतली जिले के नीमराना इलाके में शनिवार रात एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से 7 वर्षीय बच्ची सहित चार लोगों की मौत हो गई। भीषण आग और उसके बाद हुए विस्फोट से दहशत फैल गई थी। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया, 'चारों शव बरामद कर लिए गए हैं और पूरे इलाके की गहन तलाशी पूरी हो चुकी है। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर अपनी जांच शुरू कर दी है। आग लगने के सटीक कारण का पता लगाया जा रहा है।' यह घटना मोहलाडिया गांव के बिचपुरी रोड पर स्थित एक गोदाम में हुई, जहां खाली इत्र की बोतलों सहित बड़ी मात्रा में कबाड़ सामग्री जमा थी। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के समय परिसर के अंदर काम कर रहे कई मजदूर फंस गए थे। एक नाबालिग लड़की सहित चार लोग जलकर मर गए, जिनके शवों को बाद में सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें तेजी से उसी परिसर में स्थित एक सटे हुए प्लास्टिक ग्रेन्यूल निर्माण इकाई में फैल गईं। इस दौरान कारखाने में हुए एक जोरदार विस्फोट ने आग को और भी भयंकर बना दिया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र और आसपास की रिहायशी बस्तियों से सटे इलाके में दहशत फैल गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, श्रमिकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए क्योंकि गोदाम के गेट पर खड़ी एक ट्रक में आग लग गई और उसने निकलने का रास्ता बंद कर दिया। अंदर फंसे हुए श्रमिकों ने बगल की ओर जाने के लिए चारदीवारी फांदने की कोशिश की, लेकिन उसकी ऊंचाई के कारण वे असफल रहे और कई लोगों की जान चली गई। नीमराना, घिलोथ और जापानी क्षेत्र से कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

कबाड़ भरने आए ड्राइवर ने जलाई थी बीड़ी

पुलिस के अनुसार गोदाम कृषि भूमि पर बना हुआ है। जिसे कबाड़ का काम करने वाले करण सिंह पुत्र मामन सिंह कोलीला ने किराये पर ले रखा था। शुक्रवार शाम को मजदूर कबाड़ में मिली कुछ परफ्यूम की बोतलें तोड़ रहे थे। इसी दौरान वहां कबाड़ लोड करने आए एक पिकअप गाड़ी के ड्राइवर ने बीड़ी जलाकर जलती तीली फेंक दी। जिससे केमिकल ने आग पकड़ ली।

मजदूरों पर टीनशेड के पिलर पिघल कर गिर गए

कबाड़ में आग फैलते ही सब इधर-उधर भागने लगे। इनमें दो नाबालिग और एक महिला गोदाम के पिछले हिस्से में छुप गए। उस हिस्से में कबाड़ नहीं था। उन्होंने सोचा यहां लपटें नहीं पहुंचेंगी, लेकिन भीषण आग से टीनशेड के पिलर पिघलकर उन पर गिर गए। नीचे प्लास्टिक वेस्ट धधकने लगा। इस कारण वो वहीं फंस गए। हादसे में नीमराना निवासी दशरथ (28) पुत्र जगदीश, हरियाणा के नारनौल निवासी रविदत यादव (58) पुत्र पूर्ण सिंह, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर निवासी कविता (17) पुत्री रूपनलाल और आरूषी (7) पुत्री संतराम की मौत हो गई।

ममता बनर्जी का भाजपा पर हमला,बोलीं...केंद्रीय ताकत के भरोसे चुनाव जीतना चाहती है पार्टी

कोलकाता,25 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी शीर्षन्य बंद्योपाध्याय के समर्थन में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा),केंद्रीय नेतृत्व और चुनावी रणनीति को लेकर तीखा हमला बोला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय एजेंसियों, सुरक्षा बलों और संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि कई मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और बड़ी संख्या में हेलीकॉप्टर चुनाव प्रचार में लगाए गए हैं, लेकिन जनता इसका जवाब मतदान से देगी। उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष वोटिंग प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन जनता ऐसे प्रयासों को सफल नहीं होने देगी।

संपादकीय

टूटी हुई आम आदमी पार्टी

राघव चड्ढा,संदीप पाठक,अशोक मित्तल समेत आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में जाने का उपक्रम इस दल और साथ ही राष्ट्रीय संयोजक के रूप में उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका है। आप के इन तीन राज्यसभा सदस्यों के अतिरिक्त क्रिकेटर हरभजन सिंह,राजेंद्र गुप्ता,विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल का अभी भाजपा में शामिल होना शेष है,पर पार्टी से अलग होने की उनकी सहमति यही बता रही कि अब औपचारिकता ही शेष है।

आप के कुल दस राज्यसभा सदस्यों में से जो सात सदस्य टूटे,उनमें राघव चड्ढा को हाल में राज्यसभा के उपनेता पद से हटाया गया था। इसके बाद यह साफ हो गया था कि स्वाति मालीवाल की तरह उनका भी पार्टी में कोई भविष्य नहीं, लेकिन इस पर हैरानी है कि राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में उपनेता बनाए गए अशोक मित्तल ने भी केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इनके यहां कुछ दिनों पहले ईडी ने छापेमारी की थी।

आप नेता कह सकते हैं कि उनके दल त्याग के पीछे इस छापेमारी की भूमिका रही, पर उनके साथ संदीप पाठक का पार्टी छोड़ना बहुत ही आश्चर्यजनक है। वे केजरीवाल के भरोसेमंद साथी थे और उनकी गिनती पार्टी के रणनीतिकारों में भी होती थी। इन सात सांसदों की टूट का असर राष्ट्रीय स्तर पर हो सकता है, लेकिन वह शायद सबसे अधिक पंजाब में दिखेगा।

यह पहली बार नहीं,जब आप के ऐसे नेताओं ने पार्टी छोड़ी हो या फिर उन्हें बाहर जाने को बाध्य किया गया हो,जो केजरीवाल के उन दिनों के साथी रहे, जब पार्टी का गठन भी नहीं हुआ था। प्रशांत भूषण,योगेंद्र यादव,आनंद कुमार, शाजिया इल्मी,कुमार विश्वास,मयंक गांधी,राघव चड्ढा,स्वाति मालीवाल जैसे न जाने कितने ऐसे नेता हैं,जिन्होंने केजरीवाल का साथ छोड़ा या फिर उन्हें जबरन किनारे किया गया। इनमें से कई आप के संस्थापक सदस्य थे। इसका सीधा अर्थ है कि समस्या केजरीवाल के नेतृत्व और उनकी रीति-नीति में है। केजरीवाल और उनके साथियों के लिए यह कहना तो आसान है कि भाजपा ने कथित आपरेशन कमल के जरिये उसके सांसदों को तोड़ लिया,पर अच्छा होगा कि वे इस पर आत्मचिंतन करें कि उनके घनिष्ठ सहयोगी एक-एक करके उनका साथ क्यों छोड़ रहे हैं?

यह कोई ढकी-छिपी बात नहीं कि आप ने अपने उदय के साथ नई तरह की और साफ-सुथरी राजनीति करने का जो वादा किया था, वह न जाने कहां गुम हो गया। समय के साथ पार्टी की प्राथमिकताएं बदल गईं और उसने जो आशाएं जगाई थीं,वे भी विलीन हो गईं। निःसंदेह वह दिल्ली के बाद पंजाब में भी सरकार बनाने में सफल रही और फिर राष्ट्रीय दल का दर्जा पाने में भी, पर इसी के साथ उसकी छवि अन्य दलों सरीखी हो गई। अब उसका ग्राफ गिरता दिखे तो हैरानी नहीं।

कोई किसी को सिखा नहीं सकता है
जब खुद में इच्छा जागती है
तभी कोई सीख पाता है ।

-श्री अरविंदो

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है,बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन,परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार,नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य,संगीत,वैज्ञानिक खोज,औषधि, तकनीकी आविष्कार,औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं,बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय,उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर,इंटरनेट,जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं,बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं,बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं,तब भारत वेद, उपनिषद,आयुर्वेद,योग,गणित,ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत,दशमलव पद्धति,धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा,योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट,चरक,सुश्रुत,पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था,फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है,जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं,साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने

अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की,जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़ा ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी,नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी,बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जो कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान,औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं,बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश,पेटेंट आवेदन,विश्व विद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है।

वश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ा। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है,और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा,बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

मनुष्य स्वयं के कर्मों का श्रेष्ठ और सर्वोच्च निर्णायक होता है...

संजीव कुमार
रायपुर,छत्तीसगढ़

अच्छे कार्यों के श्रेष्ठ परिणाम

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विजय बाहर नहीं,भीतर होती है। अक्सर हम दुनिया को बदलने,समाज को सुधारने और दूसरों को सही ठहराने में लगे रहते हैं,परंतु एक सत्य हमेशा हमारे सामने खड़ा रहता है यदि हमने स्वयं को नहीं जीता,तो हमने कुछ भी नहीं जीता। पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को जीतिए,यह केवल एक वाक्य नहीं,बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। क्योंकि मनुष्य का मन ही उसके किए गए कार्यों का सर्वोच्च निर्णायक होता है। यदि मन के भीतर ईमानदारी नहीं है, तो बाहरी सफलता भी खोखली प्रतीत होती है।

महात्मा गांधी ने कहा था, आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। यह कथन हमें स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। जब तक हम अपने विचारों, अपने कर्मों और अपने चरित्र को नहीं सुधारते,तब तक समाज को सुधारने की बात केवल एक आदर्श कल्पना बनकर रह जाती है। गांधी जी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा का पालन पहले स्वयं किया,तभी वे करोड़ों लोगों के प्रेरणा स्रोत बने।

इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार भी अत्यंत प्रेरणादायक है

उठो,जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए...

लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति की पहली शर्त क्या है? स्वयं के भीतर की कमजोरी, आलस्य और भ्रम पर विजय प्राप्त करना। विवेकानंद जी ने युवाओं को यह सिखाया कि आत्मबल ही सबसे बड़ी शक्ति है। जब मनुष्य अपने मन को नियंत्रित कर लेता है,तब उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बाहर नहीं, उसका अपना भ्रम, उसकी अपनी असत्यता होती है। जब हम स्वयं से झूठ बोलते हैं अपने दोषों को छिपाते हैं, अपनी कमियों को नजरअंदाज करते हैं तब हम अपने विकास के मार्ग को स्वयं ही अवरुद्ध कर देते हैं।

भगवान बुद्ध ने कहा था, आप खुद ही अपने दीपक बनिए। इसका अर्थ यही है कि आत्मचिंतन और आत्मसत्य ही वह प्रकाश है, जो हमें सही दिशा दिखाता है। यदि हम अपने भीतर के अंधकार को स्वीकार नहीं करेंगे, तो प्रकाश की खोज भी अधूरी रह जाएगी।

समाज में श्रेष्ठ और महान लोग वही बने हैं,जिन्होंने पहले स्वयं को जीता।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल

कलाम का जीवन इसका सजीव उदाहरण है। एक साधारण परिवार से उठकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचना केवल बाहरी परिस्थितियों का परिणाम नहीं था, बल्कि उनकी आंतरिक अनुशासन,ईमानदारी और आत्मविश्वास का फल था। उन्होंने कहा था, सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। यह सपना तभी साकार होता है, जब हम अपने भीतर की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का साहस रखते हैं।

इसी तरह नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन में 27 वर्ष जेल में बिताए, परंतु उन्होंने अपने भीतर की नफरत को जीत लिया। उन्होंने कहा था, मैं कभी हारता नहीं, या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ। यह दृष्टिकोण केवल वही व्यक्ति अपना सकता है, जिसने स्वयं को साध लिया हो। मंडेला की यह आंतरिक विजय ही उन्हें एक महान नेता बनाती है। जब हम समाज में देखते हैं, तो पाते हैं कि जो लोग ईमानदारी, सच्चाई और आत्मसंयम के मार्ग पर चलते हैं, वही सच्चे अर्थों में सफल होते हैं। सफलता केवल धन,पद या प्रसिद्धि नहीं है; सफलता वह शांति है, जो हमें अपने भीतर मिलती है। यदि हमारा मन हमें दोषी ठहराता है, तो दुनिया की कोई भी प्रशंसा हमें संतुष्ट नहीं कर सकती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने मन के सामने सच्चे रहें।

आज के समय में, जब प्रतिस्पर्धा और दिखावे की होड़ बढ़ती जा रही है, तब स्वयं से सत्य बोलना और भी कठिन हो गया है। हम अक्सर दूसरों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा चेहरा बना लेते हैं,जो हमारा वास्तविक स्वरूप नहीं होता। लेकिन यह दिखावा अधिक समय तक नहीं टिकता। अंततः हमें अपने भीतर लौटना ही पड़ता है,और वहीं हमारा असली सामना होता है। यदि हम उस क्षण में स्वयं को सच्चा पाते हैं, तो वही हमारी सबसे बड़ी जीत होती है।

इसलिए, हमें यह समझना होगा कि जीवन की असली दौड़ दूसरों से आगे निकलने की नहीं, बल्कि स्वयं से बेहतर बनने की है। हर दिन अपने आप से एक प्रश्न पूछिए क्या मैं आज कल से बेहतर बना हूँ? क्या मैंने अपनी किसी कमजोरी पर विजय प्राप्त की है? यदि उत्तर 'हाँ' है, तो आप सही दिशा में हैं। अंत में, यही कहना उचित होगा कि स्वयं की जीत ही सच्ची विजय है। जब मनुष्य अपने मन, अपने विचारों और अपने कर्मों पर नियंत्रण पा लेता है, तब वह न केवल अपने जीवन में सफल होता है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा बनता है।

संविधान की परछाई में सत्ता का खेल राज्यसभा की नई सियासी चाल

प्रो.आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मध्यप्रदेश

सत्ता,संविधान और समीकरण-राज्यसभा में बदलता खेल
आप से भाजपा तक : लोकतंत्र,दल-बदल और नए समीकरणों का युग

राजनीतिक शतरंज की बिसात पर 24 अप्रैल 2026 की यह चाल सामान्य हलचल नहीं,बल्कि सत्ता और संविधान के समीकरण बदलने वाला निर्णायक प्रहार है। सात राज्यसभा सांसदों-राघव चड्ढा,स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक,अशोक कुमार मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी-का भाजपा में विलय केवल दल-बदल नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे की सीमाओं को उजागर करने वाला संकेत है। संविधान की दसवीं अनुसूची के पैरा 4 के तहत दो-तिहाई बहुमत से इसे कानूनी वैधता मिली,हालांकि राज्यसभा सभापति की औपचारिक स्वीकृति अभी शेष है। इसके बावजूद इस कदम की रणनीतिक पृष्ठभूमि ने भारतीय राजनीति को ऐसे मोड़ पर पहुंचा दिया है, जहां नियमों के भीतर रहकर भी सत्ता संतुलन बदलता दिख रहा है।

जब संवैधानिक प्रावधान रणनीति का हिस्सा बन जाते हैं,तो कानून केवल नियम नहीं रह जाता,बल्कि सत्ता का उपकरण बन जाता है-और यह इस घटनाक्रम में स्पष्ट दिखा है। आप के दस राज्यसभा सांसदों में से सात का एक साथ अलग होना केवल संगठनात्मक झटका नहीं,बल्कि उसकी संसदीय पहचान पर गहरा आघात है। राज्यसभा में उसकी मौजूदगी घटकर तीन सदस्यों तक सिमट गई है। विलय की घोषणा में चार सांसद सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए,जबकि तीन-राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक कुमार मित्तल-ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। वहीं भाजपा का आंकड़ा 113 और एनडीए का 141 तक पहुँच गया है, जिससे स्पष्ट है कि सत्ता पक्ष ने इस अवसर को अपने पक्ष में मोड़ लिया। परिणामस्वरूप, संसद में शक्ति संतुलन अब निर्णायक रूप से बदल चुका है।

सियासी नजरिए से यह घटनाक्रम एक ऐसी बारीक चाल लगता है, जहाँ नियमों की चौखट के भीतर रहकर ही विपक्ष की ताकत को प्रभावी ढंग से कमजोर कर दिया गया है-मानो 'ऑपरेशन लोटस' का सबसे सधा हुआ और कानूनी रूप सामने आया हो। राघव चड्ढा जैसे रणनीतिक चेहरों का अलग होना आप की आंतरिक संरचना को भीतर तक झकझोर देता है। यह केवल व्यक्तियों का जाना नहीं,बल्कि विचारधारा और नेतृत्व पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। केजरीवाल की राष्ट्रीय विस्तार की रणनीति इस झटके के बाद रक्षात्मक मोड़ में आ गई है। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि आज की राजनीति में संगठनात्मक मजबूती ही वास्तविक शक्ति है।

यह पूरा घटनाक्रम संघीय व्यवस्था की उस छिपी कमजोरी को सामने ले आता है, जहाँ किसी राज्य की राजनीतिक ताकत अंततः संसद में उसके प्रतिनिधित्व पर टिक जाती है। दिल्ली में 2025 के विधानसभा चुनाव हारकर सत्ता गंवा चुकी आप के लिए राज्यसभा ही वह आखिरी मंच था, जहाँ से वह अपनी आवाज प्रभावी ढंग से उठा सकती थी, लेकिन अब वह आधार भी लगभग हाथ से निकल गया है। नतीजतन, केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति संतुलन और अधिक केंद्र की ओर झुकता साफ दिखाई देता है। यह हालात सिर्फ आप तक सीमित नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय दलों के लिए एक स्पष्ट संकेत हैं कि मजबूत संसदीय उपस्थिति के बिना राजनीतिक अस्तित्व धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाता है।

आदर्शों की बुनियाद पर खड़ा यह मोड़ अब गहरे अंतर्विरोधों को उजागर करता है,जहाँ सिद्धांत और सत्ता का टकराव साफ दिखाई देता है। आप की पहचान स्वच्छ राजनीति, पारदर्शिता और विकेंद्रीकरण जैसे मूल्यों पर टिकी रही, पर भाजपा में विलय के बाद यही आधार नए समीकरणों में फीके पड़ते नजर आते हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि आज की राजनीति में विचारधारा पीछे छूट रही है और सत्ता व अवसर आगे बढ़ रहे हैं। केजरीवाल के सामने अब चुनौती केवल संगठन बचाने की नहीं, बल्कि अपनी मूल पहचान को फिर से गढ़ने की है। यह संघर्ष आने वाले समय में और अधिक तीखा और निर्णायक रूप ले सकता है।

आगामी सियासी तस्वीर में यह घटनाक्रम इंडिया गठबंधन के लिए एक तीखा चेतावनी-संदेश बनकर उभरा है, जो उसकी एकता और विश्वसनीयता पर सीधे प्रश्न खड़े करता है। किसी अहम घटक दल की ऐसी कमजोरी पूरे गठबंधन की पकड़ को ढीला कर देती है। पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों में पहले से कमजोर आधार के बीच यह झटका आप की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर गहरा प्रहार है। यदि समय रहते संगठनात्मक सुधार और रणनीतिक पुनर्गठन नहीं हुआ,तो यह गिरावट और तेज हो सकती है। दूसरी ओर,भाजपा के लिए यह मौका है कि वह अपने प्रभाव का दायरा और बढ़ाए, खासकर उन इलाकों में जहाँ विपक्ष पहले से बिखरा हुआ है।

आगामी चुनावी दौर,विशेषकर 2027 के राजनीतिक परिदृश्य में,यह बदलाव सत्ता के समीकरणों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है। आप के सामने अब केवल नए नेतृत्व और चेहरों की खोज नहीं,बल्कि अपनी पूरी रणनीति को नए सिरे से गढ़ने की चुनौती है। केंद्र से सीधी टकराव की नीति की जगह राज्य स्तर पर गठबंधन और सहयोग की राजनीति अपनाना अधिक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है। यह समय आत्ममंथन का है, जहाँ पार्टी को अपनी कमजोरियों की पहचान कर उन्हें दूर करना होगा। वरना यह टूटन धीरे-धीरे एक स्थायी राजनीतिक पतन में बदल सकती है।

राजनीतिक इतिहास के इस निर्णायक मोड़ पर यह सात सांसदों का विलय केवल एक घटनाक्रम नहीं,बल्कि भारतीय लोकतंत्र के बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर है, जहाँ संख्या-बल और संवैधानिक प्रावधान मिलकर सत्ता की दिशा तय कर रहे हैं। राज्यसभा सभापति की स्वीकृति लंबित होने और चार सांसदों के सार्वजनिक रूप से सामने न आने के बावजूद यह स्थिति किसी एक दल की पराजय या दूसरे की विजय से कहीं आगे जाकर उस व्यापक परिवर्तन को दर्शाती है जिसमें राजनीति लगातार नए रूप ले रही है। केजरीवाल सरकार के लिए अब समय सीमित है-या तो वह इस संकट को अवसर में बदलकर स्वयं को पुनर्गठित और पुनर्जीवित करे, या फिर धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य से हाशिए पर चली जाए। अंततः,भारतीय राजनीति का भविष्य इन्हीं निर्णायक क्षणों से आकार लेगा, जहाँ हर कदम आने वाले इतिहास की नींव रखेगा।

संस्कारों की नीलामी और सोफे का दर्शन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

मिश्रा जी ने अपनी मेहनत की कमाई से एक बहुत बड़ा बंगला बनवाया। बैठक में दो लाख का इटालियन सोफा रखा गया,जिस पर बैठते ही इंसान धंस जाता था। मिश्रा जी की पत्नी ने सख्त हिदायत दी थी-इस सोफे पर कोई बच्चा नहीं चढ़ेगा और कोई मेहमान चाय नहीं पिएगा। घर का संस्कार अब सोफे की हिफाजत बन गया था। मिश्रा जी के बूढ़े पिता, जो गांव से आए थे, उस सोफे पर बैठने से डरते थे। वे घर के कोने में एक पुरानी लकड़ी की कुर्सी पर बैठे रहते। एक दिन घर में एक बड़ा किटी पार्टी का आयोजन हुआ। मिश्रा जी की पत्नी ने सबको अपने संस्कार और संस्कृति पर लेक्चर दिया, जबकि बूढ़े पिता को पिछवाड़े के कमरे में छिपा दिया गया ताकि वे एस्थेटिक्स न बिगाड़ें। पार्टी में सबने वेस्टर्न म्यूजिक पर संस्कारी डांस किया और विदेशी वाइन के साथ भारतीय मूल्यों पर चर्चा की। अचानक बूढ़े

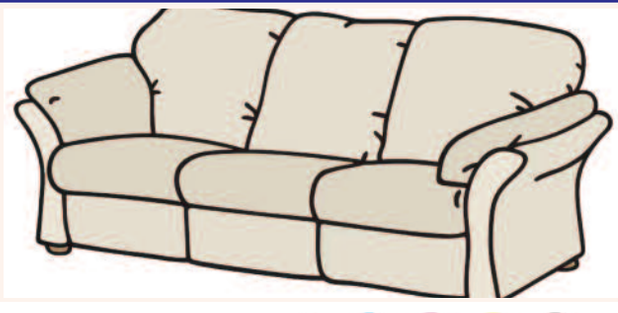

पिता बाहर आ गए और उन्होंने एक मेहमान से पानी मांग लिया। मिश्रा जी की पत्नी का चेहरा उतर गया। पार्टी खत्म होने के बाद उन्होंने मिश्रा जी से कहा, इन्हें वापस गांव छोड़ आइए,ये हमारे स्टैंडर्ड को सूट नहीं करते। मिश्रा जी ने चुपचाप सिर झुका लिया। कुछ सालों बाद, मिश्रा जी का बेटा बड़ा हुआ। उसने मिश्रा जी और उनकी पत्नी को एक ओल्ड एज होम में भर्ती करवा दिया। जब मिश्रा जी ने विरोध किया, तो बेटे ने शांति से कहा,पापा,आप नए सोफे के साथ मैच नहीं कर रहे थे। और हाँ, मैंने सोफा ओएलएक्स पर बेच दिया है, अब वहां मेरा गेमिंग कंसोल रखा जाएगा। मिश्रा जी को उस दिन समझ आया कि उन्होंने घर की दीवारों को तो मजबूत किया, पर उन रिश्तों की नींव को डिजाइनर फर्नीचर के नीचे दबा दिया था। अब वहां केवल सोफे की गंध थी, अपनों की गर्माहट नहीं।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक-

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भाजपा का विपक्ष पर हमला

दिव्या सिंह सिसोदिया बोलीं-महिलाओं के साथ हुआ विश्वासघात,33प्रतिशत आरक्षण दिलाकर रहेंगे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अंबिकापुर में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा नेताओं ने नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम को लेकर कांग्रेस और इण्डी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। सरगुजा जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया और जिला महामंत्री अरुणा सिंह ने विपक्ष पर महिलाओं के अधिकारों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

भाजपा महिलाओं के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध : मंजूषा भगत

प्रेसवार्ता में महापौर मंजूषा भगत,प्रदेश प्रवक्ता पैनलिस्ट संतोष दास,जिला संवाद प्रमुख रूपेश दुबे और महिला मोर्चा

जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाडे विशेष रूप से मौजूद रहीं। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि भाजपा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर बाधा को दूर किया जाएगा।

ऐतिहासिक कदम को विपक्ष ने रोका : दिव्या सिंह सिसोदिया : दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में लाया गया यह अधिनियम महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस,तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और समाजवादी पार्टी के विरोध के कारण यह सपना साकार नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने परिसीमन,धर्म आधारित आरक्षण और क्षेत्रीय विवाद जैसे मुद्दे उठाकर विधेयक में बाधा डाली। यह देश की 70 करोड़ महिलाओं का अपमान है,जिसे मातृशक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

भाजपा ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया : सिसोदिया ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में पंचायतों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण सहित कई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ने हमेशा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा की है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान में पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी 57 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

कांग्रेस के रवैये से बिल पारित नहीं हो सका : अरुणा सिंह

जिला महामंत्री अरुणा सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण को लेकर देशभर में सकारात्मक माहौल था, लेकिन कांग्रेस के नकारात्मक रवैये के कारण विधेयक पारित नहीं हो सका। उन्होंने विपक्ष पर संसद में बिल गिरने पर जश्न मनाने का आरोप लगाया।

बूथ स्तर तक चलेगा अभियान

अरुणा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारों ने महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं,जिससे महिलाओं का सरकार पर विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू कराने के लिए भाजपा बूथ स्तर तक अभियान चलाएगी और विपक्ष के महिला विरोधी चरित्र को जनता के सामने लाएगी।

ये रहे उपस्थित

प्रेसवार्ता के दौरान एमआईसी सदस्य श्वेता गुप्ता,पार्षद किरण साहू,प्रियंका चौबे, नीलू गुप्ता, सरस्वती यादव, जातीन परमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगजनी के मामले में दोषी पर कार्रवाई व पीड़ितों को मुआवजा की मांग...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर के बीचों-बीच स्थित मुकेश प्लास्टिक एवं पटाखा दुकान में हुई भीषण आगजनी के बाद कांग्रेस ने प्रभावित परिवारों के लिए मुआवजे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि 23 अप्रैल को सघन आबादी वाले क्षेत्र में स्थित इस दुकान में भारी मात्रा में पटाखों और प्लास्टिक का अवैध भंडारण किया गया था। अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री के कारण लगी आग में दुकान पूरी तरह नष्ट हो गई,वहीं आसपास के कई मकान और दुकानें भी प्रभावित हुईं। कांग्रेस ने मांग की है कि संबंधित संस्थान के संचालक के खिलाफ तत्काल आपराधिक मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए। साथ ही शहर में ऐसे अन्य खतरनाक गोदामों की पहचान कर उन्हें आबादी क्षेत्र से बाहर किया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि एक विशेषज्ञ टीम गठित कर नुकसान का आकलन किया जाए और तय समय सीमा में पीड़ितों को मुआवजा दिलाया जाए। कांग्रेस ने यह भी मांग की कि मुआवजा दोषी संचालकों से ही दिलाया जाए। कांग्रेस ने शहर में दमकल व्यवस्था को मजबूत करने की मांग भी उठाई। बढ़ती आबादी और संकरी गलियों को देखते हुए पर्याप्त संसाधन,अग्निरोधी उपकरण और पानी के प्वाइंट उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही कर्मचारियों के नियमितीकरण और सेवा शर्तों में सुधार की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल,विनीत विशाल जायसवाल, जमील खान, आशीष वर्मा, चंद्रप्रकाश सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोटरसाइकिल चोरी के 3 मामलों का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

मणिपुर पुलिस ने 1.5 लाख रुपये की तीन चोरी की बाइक बरामद कीं...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

थाना मणिपुर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के तीन अलग-अलग प्रकरणों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 1.5 लाख रुपये कीमत की तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कर जब्त की हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। यह कार्रवाई डीआईजी एवं एसएसपी राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई, जिसमें लंबित प्रकरणों के आरोपियों की धरपकड़ और गिरफ्तारी की जा रही है।

जिला अस्पताल से चोरी हुई बाइक से खुला मामला

पुलिस के अनुसार, प्रार्थी बृजलाल पैंकरा, निवासी असोला थाना कोतवाली, ने 31 अक्टूबर 2025 को थाना मणिपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर 2025 की शाम करीब 5 बजे वे अपनी सीडी डिलक्स बाइक क्रमांक सीजे 15 सीके 6337 से जिला अस्पताल अंबिकापुर अपने इलाजरत भाई के लिए खाना पहुंचाने गए थे। उन्होंने बाइक अस्पताल के स्टैंड में खड़ी की थी, लेकिन

मुखबिर की सूचना पर दो आरोपी गिरफ्तार

विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर पूर्व बाइक चोरी मामलों में संलिप्त सद्दाम हुसैन (29 वर्ष), निवासी ग्राम बकना थाना लुंड्रा और राम बहादुर दास उर्फ बहादुर (26 वर्ष), निवासी ग्राम डंडगांव थाना लुंड्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे अपने साथी दीपक प्रजापति के साथ मिलकर कई वर्षों से बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे थे। चोरी के बाद वाहनों को बेचकर पैसे आपस में बांट लेते थे।

करीब 5:45 बजे लौटने पर वाहन वहां नहीं मिला। अज्ञात चोर बाइक चोरी कर फरार हो चुका था। इस मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 300/2025 धारा 303(3), 111(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

कई स्थानों से की थी बाइक चोरी : आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि उन्होंने अलग-अलग समय में विभिन्न स्थानों से बाइक चोरी की थी–अक्टूबर माह में जिला अस्पताल अंबिकापुर से हीरो होंडा सीडी डिलक्स फरवरी माह में चांदो बाजार, थाना लखनपुर क्षेत्र से स्प्लेंडर बाइक मार्च माह में बुधवारी बाजार अजिरमा से होंडा ड्रीम युगा अप्रैल माह में बरडी गांव, थाना धौरपुर क्षेत्र से हीरो HF डिलक्स पुलिस ने बताया कि लखनपुर क्षेत्र से चोरी हुई स्प्लेंडर बाइक आरोपी दीपक प्रजापति के पास थी, जिसे पूर्व में गिरफ्तार कर चालान किया जा चुका है।

तीन बाइक बरामद,कीमत 1.5 लाख : गिरफ्तार आरोपियों सद्दाम हुसैन और राम बहादुर के कब्जे से पुलिस ने तीन चोरी की बाइक बरामद की हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 1.5 लाख रुपये बताई गई है। जब्त वाहनों में शामिल हैं–

02 नग हीरो एचएफ डिलक्स
01 नग होंडा ड्रीम युगा

न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए आरोपी : पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

इन पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका : पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी मणिपुर उपनिरीक्षक सी.पी. तिवारी, सउनि अनिल सिंह, अनिल पाण्डेय, प्रधान आरक्षक नरेंद्र जांगड़े, आरक्षक उमाशंकर साहू, सत्येन्द्र दुबे, निरंजन बड़ा, रमाशंकर यादव, सैनिक दिनेश यादव, साइबर सेल प्रभारी सउनि अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह, अशोक यादव सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संकल्प जीडी गोयनका हेल्थकेयर अकादमी ने मनाया प्रथम स्थापना दिवस

एक वर्ष की उपलब्धियां गिनाईं,नए शैक्षणिक सत्र की घोषणा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

संकल्प जीडी गोयनका हेल्थकेयर अकादमी, अंबिकापुर ने अपना प्रथम स्थापना दिवस उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में मनाया। कार्यक्रम में संस्थान की एक वर्ष की उपलब्धियों को साझा किया गया तथा आगामी शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय गोयल एवं डॉ. अक्षय गोयल रहे। समारोह में प्रबंधन, शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत के साथ हुई।

कई रोजगारपरक कोर्स का सफल संचालन : इस अवसर पर डॉ. अक्षय गोयल ने बताया कि अकादमी ने अपने पहले वर्ष में मेडिकल नर्सिंग असिस्टेंट, इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन, फ्लेबोटोमी टेक्नीशियन, ब्लड बैंक टेक्नीशियन,

फार्मेसी असिस्टेंट, डेंटल असिस्टेंट, एक्स-रे टेक्नीशियन, मेडिकल लैब टेक्नीशियन, ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री और हॉस्पिटल मैनेजमेंट सहित कई सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम बैच के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन संस्थान की सफलता का प्रमाण है।

हेल्थकेयर सेक्टर में युवाओं के लिए बेहतर अवसर : मुख्य अतिथि डॉ. संजय गोयल ने कहा कि वर्तमान समय में हेल्थकेयर सेक्टर में प्रशिक्षित युवाओं की बड़ी मांग है। कौशल आधारित शिक्षा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। उन्होंने संस्थान के विजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रयासों की सराहना की।

मई से शुरू होगा नया सत्र : संस्थान ने वर्ष 2026 के नए शैक्षणिक सत्र (सीजन-1) की घोषणा भी की, जो मई 2026 से प्रारंभ होगा। इसमें विभिन्न रोजगारपरक कोर्स संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विनय सिंह, राकेश कोठारी, अखिलेश मिश्रा एवं भूपेश देवांगन उपस्थित रहे। अंत में केक कटिंग और अतिथियों के सम्मान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

महिला से छेड़छाड़ के मामले में आरोपी गिरफ्तार

घर में घुसकर गलत नीयत से की हरकत,विरोध करने पर गला दबाया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना लुंड्रा पुलिस ने छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपी ने महिला के घर में घुसकर गलत नीयत से छेड़छाड़ की थी। विरोध करने पर उसने महिला का गला दबाने और हाथ की उंगली चोटिल करने की भी कोशिश की।

देर रात घर में घुसकर की छेड़छाड़ : पुलिस के अनुसार, प्रार्थिया ने थाना लुंड्रा पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 24 अप्रैल 2026 की रात झेराडीह बैगापारा निवासी लाजाराम पैकरा उसके घर में घुस आया और गलत नीयत से छेड़छाड़ करने लगा। महिला द्वारा विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपी ने उसके दाहिने हाथ की

उंगली दबाई तथा गला दबाकर डराने की कोशिश की। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

इन धाराओं में मामला दर्ज : प्रार्थिया की शिकायत पर थाना लुंड्रा में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 91/26 के तहत धारा 331(2), 331(6), 74, 351(3) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पूछताछ में आरोपी ने कबूला जुर्म : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़िता सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज किए। इसके बाद आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने संदेही को तलब कर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम लाजाराम पैकरा पिता स्व. घीटम पैकरा, उम्र 45 वर्ष, निवासी झेराडीह बैगापारा थाना लुंड्रा बताया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार कर लिया।

न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया : आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

नदी में नहाने गए मामा-भांजी की डूबने से मौत...परिवार में मातम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर से लगे मेन्ड्राकला स्थित नदी में नहाने के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। मामा और भांजी की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। जानकारी के अनुसार सिम्मी सोनी (11) निवासी रायपुर, अपनी मां के साथ गर्मी की छुट्टियों में अंबिकापुर के घुटरापारा स्थित नानी के घर आई थी। शनिवार दोपहर वह अपने मामा विनित सोनी (37) और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मणिपुर थाना क्षेत्र के मेन्ड्राकला नदी में नहाने गई थी।

बचाने के प्रयास में हुई दो मौतें

नहाने के दौरान सिम्मी और मामा के बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। विनित सोनी ने किसी तरह अपने बच्चों को बचा लिया, लेकिन भांजी को बचाने के प्रयास में वह खुद भी गहरे पानी में डूब गया। इस दौरान सिम्मी भी पानी में समा गई।

अस्पताल में डॉक्टर ने किया मृत घोषित : घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों के शोर मचाने पर ग्रामीण पहुंचे और

पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से दोनों को बाहर निकालकर शहर के निजी अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पीएम आवास में लापरवाही पर भड़के जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल

सीतापुर और मैनपाट के कार्यक्रम अधिकारियों को नोटिस,लुंड्रा के तकनीकी सहायकों का वेतन रोकने निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में लापरवाही और लक्ष्य पूर्ति में देरी को लेकर जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल सख्त नजर आए। समीक्षा बैठक में कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने सीतापुर और मैनपाट जनपद पंचायत के कार्यक्रम अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही लुंड्रा विकासखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के लक्ष्य पूरे नहीं होने पर तकनीकी सहायकों का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए हैं।

समीक्षा बैठक में सामने आई धीमी प्रगति

जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, निर्माणाधीन आवासों की स्थिति और हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। बैठक में कई विकासखंडों की प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर सीईओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में

किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जरूरतमंद परिवारों को समय पर आवास उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

सीतापुर और मैनपाट पर कार्रवाई

बैठक में सीतापुर और मैनपाट क्षेत्र में कार्यों की रफ्तार धीमी पाए जाने पर संबंधित कार्यक्रम अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से पूछा जाएगा कि तय समय सीमा में लक्ष्य पूरा क्यों नहीं किया गया।

लुंड्रा के तकनीकी सहायकों पर गिरी गाज

लुंड्रा विकासखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर सीईओ ने तकनीकी सहायकों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी कार्य के प्रति गंभीरता दिखाएं,अन्यथा आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समय सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

सीईओ विनय अग्रवाल ने सभी जनपद पंचायतों के अधिकारियों को लंबित आवासों का निर्माण जल्द पूरा कराने, हितग्राहियों से सतत संपर्क रखने और जियो टैगिंग सहित अन्य प्रक्रियाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने पर जोर

बैठक में कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। ऐसे में किसी भी स्तर पर देरी या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि पात्र हितग्राहियों को समय पर पक्का मकान उपलब्ध कराया जाए।

CMYK

पोड़ी बचरा स्वास्थ्य केंद्र बना 'रेफर सेंटर' डॉक्टर नदारद,जमीन पर तड़पते मरीज

33 पंचायतों के 100 मरीज रोजाना प्रभावित,गर्भवती महिलाओं को बिना जांच किया रेफर-कलेक्टर की फटकार के बाद भी हालात जस के तस

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले का पोड़ी बचरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की सच्चाई बयां कर रहा है, कागजों में जहां यह केंद्र रोजाना सैकड़ों मरीजों को इलाज देने का दावा करता है, वहीं जमीनी हकीकत में यह 'इलाज केंद्र' कम और 'रेफर सेंटर' ज्यादा नजर आ रहा है। डॉक्टरों की अनुपस्थिति, लापरवाही और अव्यवस्था के चलते मरीजों को या तो बिना इलाज लौटना पड़ रहा है या सीधे जिला अस्पताल की राह पकड़नी पड़ रही है।

पोड़ी बचरा स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति यह बताने के लिए काफी है कि सिर्फ भवन और नियुक्तियां काफी नहीं होतीं–जरूरत होती है जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की, जब तक सिस्टम जमीन पर नहीं उतरेगा, तब तक मरीजों की परेशानी कम नहीं होगी, अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में कब और कितना प्रभावी कदम उठाता है।

रात में सबसे ज्यादा संकट

दिन के मुकाबले रात के समय हालात और भी भयावह हो जाते हैं, आपातकालीन स्थिति में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को अक्सर डॉक्टर नहीं मिलते, गंभीर मामलों में परिजन मजबूरी में मरीजों को निजी साधनों से जिला अस्पताल ले जाने को विवश हो जाते हैं।

गर्भवती महिलाओं को बिना जांच किया रेफर

गुरुवार रात की घटना ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी, प्रसव पीड़ा से कराहती दो गर्भवती महिलाएं अस्पताल पहुंचीं, लेकिन वहां पर्याप्त स्टाफ मौजूद नहीं था, केवल एक डॉक्टर और एक एएनएम के भरोसे पूरा अस्पताल चल रहा था, स्थिति ऐसी बनी कि बिना समुचित जांच के ही दोनों महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, यह लापरवाही न केवल खतरनाक है, बल्कि मातृ स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी है।

33 पंचायतों की जिम्मेदारी, पर व्यवस्था लाचार

पोड़ी बचरा स्वास्थ्य केंद्र पर 33 ग्राम पंचायतों के करीब 100 मरीज रोजाना निर्भर रहते हैं, लेकिन यहां डॉक्टरों और स्टाफ की नियमित उपस्थिति का कोई ठोस सिस्टम नहीं है, कभी डॉक्टर मिल जाते हैं, तो कभी अस्पताल केवल 'खुला भवन' बनकर रह जाता है, ऐसे में मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है।

जहरीले कीड़े के काटने पर भी असमंजस- उसी रात एक युवक जहरीले कीड़े के काटने से तड़पता हुआ अस्पताल पहुंचा, लेकिन डॉक्टर यह तक नहीं पहचान सके कि उसे किस प्रकार के कीड़े ने काटा है, प्राथमिक उपचार के बाद उसे भी जिला अस्पताल भेज दिया गया, इससे साफ होता है कि आपातकालीन चिकित्सा में भी अस्पताल की तैयारी अधूरी है।

जमीन पर इलाजः संवेदनहीनता की हद- सबसे चौंकाने वाली घटना एक मासूम बच्चे के साथ हुई, बेड खाली होने के बावजूद बच्चे को जमीन पर लिटाकर इलाज किया गया, यह दृश्य न केवल अमानवीय है, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

कभी था मॉडल अस्पताल, अब बना रेफर सेंटर- विडंबना यह है कि यही स्वास्थ्य केंद्र पहले अपनी बेहतर सेवाओं के लिए जाना जाता था, पूर्व बीएमओ डॉ. दीपेंद्र सिकरवार के कार्यकाल में यहां हर महीने 40-50 प्रसव होते थे और केवल जटिल मामलों को ही रेफर किया जाता था, लेकिन अब एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति के बावजूद हालात बदतर हो गए हैं और अस्पताल सिर्फ रेफर सेंटर बनकर रह गया है।

ग्रामीणों में आक्रोश

लगातार हो रही लापरवाही से ग्रामीणों में गहरी नाराजगी है, उनका कहना है कि जब अस्पताल में डॉक्टर ही मौजूद नहीं रहेंगे, तो गरीब मरीज कहां जाएंगे? सरकारी अस्पताल ही उनके लिए एकमात्र सहारा है, लेकिन वहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है।

बड़ा सवालः क्या कागजों में ही चल रही स्वास्थ्य व्यवस्था?

यह पूरा मामला एक बड़ा सवाल खड़ा करता है-क्या ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था सिर्फ कागजों में ही चल रही है? अगर हालात ऐसे ही रहे, तो यह न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है।

कार्रवाई की मांग...

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि लापरवाह डॉक्टरों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में नियमित और जिम्मेदार डॉक्टरों की तैनाती सुनिश्चित की जाए,ताकि मरीजों को समय पर और सही इलाज मिल सके।

बलरामपुर में रफ्तार का कहर,स्कूटी सवार दो शिक्षिकाओं को ट्रक ने कुचला

शिक्षिका पूनम केवट की मौके पर मौत,रजनी केवट गंभीर घायल

-संवाददाता-
बलरामपुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिले में शनिवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूल जा रही दो शिक्षिकाएं तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गईं। हादसे में शिक्षिका पूनम केवट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी शिक्षिका रजनी केवट गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल शिक्षिका का अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

स्कूल जाते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, दोनों शिक्षिकाएं शनिवार सुबह स्कूटी से अपने विद्यालय करमडीहा स्कूल जा रही थीं। इसी दौरान वाड्रफनगर-रामानुजगंज मुख्य मार्ग पर बसंतपुर थाना क्षेत्र के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर जा गिरीं। हादसे में पूनम केवट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रजनी केवट गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घायल शिक्षिका अस्पताल में भर्ती

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायल शिक्षिका रजनी केवट को तत्काल वाड्रफनगर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रक चालक फरार : हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

परिवार और स्कूल में मातम : शिक्षिका पूनम केवट की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दोनों शिक्षिकाओं के एक ही स्कूल में पदस्थ होने से स्कूल स्टाफ और छात्र-छात्राओं में भी शोक का माहौल है।

पुलिस जांच में जुटी : बसंतपुर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने उठाई मांग : घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण, नियमित जांच और सड़क सुरक्षा के इंतजाम मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ है हमारा पशुधन : मंत्री राजेश अग्रवाल

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर मूक प्राणियों के संरक्षकों का हुआ सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मानव सभ्यता के आरंभ से ही पशु हमारे जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। पशुओं का संरक्षण और संवर्धन केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमुख आधार भी है। उन्होंने पशु चिकित्सकों को मूक प्राणियों का सच्चा संरक्षक बताते हुए कहा कि उनकी सेवा, समर्पण और करुणा से न केवल पशुओं का जीवन सुरक्षित होता है, बल्कि यह मानवता के प्रति भी एक बड़ा योगदान है।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ संघ द्वारा राजमोहिनी कृषि महाविद्यालय, अजिरमा (अंबिकापुर) में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में मंत्री ने पशु चिकित्सकों की भूमिका और उनके योगदान को सम्मानपूर्वक रेखांकित किया। साथ ही मूक प्राणियों के स्वास्थ्य, टीकाकरण और संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशु चिकित्सकों तथा क्षेत्र सहायकों को सम्मानित किया गया।

पशुपालन बना ग्रामीण आजीविका का प्रमुख साधन

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में पशुपालन ग्रामीण आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। ऐसे में पशु चिकित्सकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ पशुधन से किसान और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ती है तथा आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से पशु चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

गोशालाओं और पुनर्वास केंद्रों के कार्यकर्ताओं की सराहना : मंत्री ने पशु पुनर्वास केंद्रों और गोशालाओं में कार्यरत उन कर्मठ लोगों की भी सराहना की, जो निराश्रित, घायल और बीमार पशुओं की सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग समाज के लिए प्रेरणा हैं, जो निःस्वार्थ भाव से बेजुबान जानवरों की सेवा करते हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान : कार्यक्रम में पशु चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कई चिकित्सकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर पशु चिकित्सकों ने इसे अपने कार्य के प्रति प्रेरणा बताया।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में विधायक प्रबोध मिंज, अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पशु चिकित्सक, विभागीय अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पशु कल्याण का लिया संकल्प

कार्यक्रम का समापन पशु कल्याण और संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने पशुओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और उनकी देखभाल को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर गुरुद्वारा में मत्था टेका

प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की अरदास

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं प्रगति के लिए अरदास की। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा जैसे पवित्र स्थल सेवा, त्याग और मानवता का संदेश देते हैं। समाज में समरसता और सहयोग की भावना ही विकास का सच्चा मार्ग है। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने मंत्री श्री अग्रवाल का स्वागत किया।

बबूल के पेड़ से टकराई बाइक युवक की मौके पर मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर सामने आया है। सड़क हादसे में बाइक बबूल के पेड़ से टकरा गई,जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, युवक बाइक से अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। इसी दौरान अनियंत्रित होकर बाइक सड़क किनारे खड़े बबूल के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण खोना हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवक की अचानक मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव और आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

सूरजपुर में कलयुगी बेटे की करतूत,बाइक विवाद में मां की हत्या

दरवाजे के सामने सो रही थी मां,बाइक अंदर नहीं जा पाने पर बेटे ने उतारा मौत के घाट

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। मामूली बाइक विवाद में एक बेटे ने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दरवाजे पर सो रही थी मां, बेटे को आया गुस्सा : जानकारी के अनुसार, घटना सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी क्षेत्र के बैगापारा गांव की है। बताया जा रहा है कि मां सोमारी बाई अपनी बेटी के साथ घर के दरवाजे के सामने जमीन पर सो रही थी। इसी दौरान रात करीब 9 बजे बेटा सुखलाल घर पहुंचा। दरवाजे के सामने मां को सोता देख वह गुस्से में आगबबूला हो गया, क्योंकि उसकी बाइक घर के अंदर नहीं जा पा रही थी।

लकड़ी से सिर और चेहरे पर किया हमला : गुस्से में आरोपी बेटे ने दरवाजा बंद करने वाली लकड़ी के हटके से मां के सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से मां बेहोश होकर गिर पड़ी। आरोपी ने घायल मां का इलाज कराने के बजाय उसे घर में ही छोड़ दिया।

बहन को भी दी धमकी : बताया जा रहा है कि जब बहन मां को बचाने और मदद बुलाने बाहर जाने लगी तो आरोपी ने उसे भी धमकाया कि अगर किसी को बताया तो उसे भी जान से मार देगा। डर के कारण बहन चुप रही।

दो दिन बाद हुई मौत,पुलिस ने किया गिरफ्तार : घटना के दो दिन बाद जब मां की हालत बिगड़ गई तो उसकी मौत हो गई। इसके बाद बहन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी सुखलाल (35 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

इलाके में सनसनी,लोगों में आक्रोश : मां की हत्या जैसी घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। लोग आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

27 को गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर सौंपा जाएगा ज्ञापन

-संवाददाता-
लखनपुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर 27 अप्रैल को लखनपुर तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह जानकारी छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव सुरेन्द्र साहू ने दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान पूरे भारत में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गौमाता की रक्षा करना और उन्हें राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाना है।

कई मांगों को लेकर होगा ज्ञापन सौंपना : संस्थान की ओर से भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसमें गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने, पूरे देश में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा गौवंश के अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी।

सुबह 11 बजे होगा कार्यक्रम : प्रदेश सचिव सुरेन्द्र साहू ने बताया कि 27 अप्रैल को सुबह 11 बजे तहसील कार्यालय लखनपुर में यह ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

सीतापुर अस्पताल में मिली गई खामियां,कार्रवाई के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

100 बिस्तर अस्पताल सीतापुर का शुक्रवार रात 9 बजे आकस्मिक निरीक्षण किया गया, जिसमें व्यवस्थाओं की गंभीर कमी सामने आई। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई से लेकर स्टाफ की उपस्थिति तक कई खामियां पाई गईं, जिस पर जिम्मेदारों को सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण में अस्पताल परिसर में साफ-सफाई का अभाव मिला। इंजेक्शन और दवाइयां खुले डिब्बों में रखी मिलीं, वहीं रैक में रखी कई दवाइयों पर मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट अंकित नहीं थी। ड्रेसिंग रूम में कोई स्टाफ मौजूद नहीं था। पुरुष वार्ड में महिला मरीज भर्ती पाई गई। अस्पताल के नोटिस बोर्ड पर ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ नर्स का रोस्टर अपडेट नहीं था। उपस्थिति पंजी भी मौके पर नहीं मिली,जिससे ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों की जानकारी नहीं मिल सकी। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों और स्टाफ को निर्देश दिया गया कि अस्पताल में सुविधा उपलब्ध होने पर मरीजों को अनावश्यक रेफर न किया जाए। यदि रेफर करना जरूरी हो, तो कारण सहित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए जिला अस्पताल भेजा जाए।

हीटवेव को देखते हुए अस्पताल को आवश्यक तैयारी रखने और अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से संबंधित ढ्रश्वष्ट फ्लेक्स बढ़ाने को कहा गया, ताकि लोगों को योजनाओं की जानकारी मिल सके। अस्पताल परिसर में संचालित धनवंतरी मेडिकल स्टोर को नोटिस जारी कर हटाने के निर्देश दिए गए। इसके स्थान पर जन औषधि केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया। जो कर्मचारी अन्य स्थानों पर संलग्न हैं, उन्हें मूल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। खंड चिकित्सा अधिकारी को सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए।

CMYK

कोरिया जल संसाधन विभाग का 'इंजीनियरिंग फेल्योर' : एक तरफ कलेक्टर सहेज रही हैं बूंद-बूंद पानी इधर जल संसाधन बहा रहा गेज की मर्यादा....

भांडी-जनकपुर में 'जल-तांडव': घरों के पीछे बह रहा भ्रष्टाचार का नाला,नही हुआ मरम्मत तो बढ़ेगी परेशानी

नहरें बनीं मुसीबत का सबब,भांडी-जनकपुर की जनता बोली... 'हमें सिंचाई का हक दो' ...तबाही का नाला नहीं...

राजन पाण्डेय

बैकुंठपुर/कोरिया,25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में जल संरक्षण के दावों और धरातल की हकीकत के बीच एक ऐसी खाई पैदा हो गई है,जो अब तबाही का रूप ले रही है, एक ओर जिले की मुखिया, कलेक्टर महोदया,'जल शक्ति' और 'संरक्षण' के जरिए भविष्य को सुरक्षित करने की मुहिम चला रही हैं, वहीं दूसरी ओर जल संसाधन विभाग के बेपरवाह अधिकारियों ने इस नेक पहल के खिलाफ एक तरह का 'अघोषित जल-विद्रोह' छेड़ दिया है, विभाग की चरम लापरवाही का आलम यह है कि गेज बांध का बहुमूल्य पानी खेतों की प्यास बुझाने के बजाय रिहायशी इलाकों में बर्बादी का सबब बन गया है।

नहरें या भ्रष्टाचार की खुली गवाही?

मिली जानकारी के अनुसार, गेज बांध से निकलने वाली नहरें अब नहरें कम और विभाग के भ्रष्टाचार का 'स्मारक' ज्यादा नजर आती हैं, ग्राम आनी से भांडी के बीच नहरों की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि पानी का प्रवाह नियंत्रित करने की क्षमता विभाग खो चुका है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नहरों की सफाई और मरम्मत के नाम पर हर साल लाखों का वारा-न्यारा किया जाता है, लेकिन धरातल पर ईंट

तक नहीं रखी गई। नतीजा यह है कि नहरों से पानी रिसकर लोगों के बाड़ियों में घुस रहा है, जिससे करोड़ों की सरकारी संपत्ति और प्राकृतिक संसाधन का 'जल-सत्यानाश' हो रहा है।

भांडी-जनकपुर में 'जल-तांडव': घरों के पीछे बन गया नाला

खबर की सबसे भयावह तस्वीर भांडी और जनकपुर इलाके से सामने आ रही है, यहाँ नहरों के टूटने और ओवरफ्लो होने के कारण पानी ने बस्तियों के बीच अपना नया रास्ता बना लिया है, आलम यह है कि लोगों के घरों के पीछे से 'अघोषित नाले' बह रहे हैं।

- **खतरे की संभावना:** जल्द मरम्मत नही हुई तो बरसात में इस पानी से ज्यादा नुकसान हो सकता है।
- **बर्बाद होती फसलें:** गर्मी में एक तरफ किसान पानी के लिए तरसते है वहीं दूसरी तरफ जल के फिजूल बहाव नाले का रूप ले रहा है
- **क्या कलेक्टर के विजन को अधिकारी दे रहे चुनौती?**- यह पूरा मामला सीधे तौर पर जिले के प्रशासनिक तालमेल पर सवाल उठाता है, जब जिले की कलेक्टर जल संरक्षण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए उन्होंने जन भागीदारी के साथ पूरी ताकत झोंक रखी है तब जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नींद में क्यों सोए हैं? क्या विभाग ने मान लिया है कि वे किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हैं? पानी की यह बर्बादी केवल एक तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि प्रशासनिक अनुशासनहीनता का चरम है, जो सीधे तौर पर शासन की छवि को धूमिल कर रहा है।

हो सकता है बड़ा आंदोलन

इस कुप्रबंधन से त्रस्त ग्रामीणों और किसानों का आक्रोश अब सातवें आसमान पर है, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अगले कुछ दिनों के भीतर नहरों का वैज्ञानिक तरीके से सुधार नहीं किया गया और पानी की इस बर्बादी को नहीं रोका गया, तो वे जल संसाधन विभाग के कार्यालय का घेराव करेंगे, ग्रामीणों का कहना है कि अब केवल कागजी आश्वासन से काम नहीं चलेगा, उन्हें धरातल पर पानी का सही प्रबंधन चाहिए।

बड़ा सवाल : कहाँ गया मेंटेनेस का बजट?

इस पूरे प्रकरण में सबसे गंभीर और जांच का विषय यह है कि हर साल सिंचाई सत्र से पूर्व नहरों की साफ-सफाई और मरम्मत के नाम पर जो लाखों-करोड़ों का बजट जारी होता है,वह आखिर गया कहाँ? आनी से भांडी के बीच नहरों की बदहाली चीख-चीख कर गवाही दे रही है कि धरातल पर एक ढेला तक काम नहीं हुआ है,ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों की जुगलबंदी ने मरम्मत के नाम पर आए सरकारी खजाने को कागजों में ही 'खपा' दिया है, यदि वाकई में नहरों का सुदृढ़ीकरण किया गया होता,तो आज गेज बांध का पानी किसानों के लिए वरदान बनने के बजाय ग्रामीणों के लिए 'अभिशाप' नहीं बनता, कागजों पर दौड़ती 'मरम्मत की फाइलें' और जमीन पर बहता 'बर्बादी का सैलाब' विभाग के भीतर चल रहे बड़े खेल की ओर इशारा कर रहा है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच अब अनिवार्य हो गई है।

अजीब विडंबना : कहीं सैलाब,तो कहीं सूखा

एक तरफ भांडी-जनकपुर में विभाग की लापरवाही से पानी का अघोषित नाला बन रहा है, वहीं इसी नहर के अंतिम छोर पर बसे दर्जनों किसान बूंद-बूंद पानी के लिए आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं, विभाग के कुप्रबंधन ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि 'ऊपर वाले पानी से परेशान हो रहे हैं और नीचे वाले प्यासे मर रहे हैं', क्या विभाग का काम सिर्फ बांध के गेट खोल देना है? पानी का अंतिम खेत तक न्यायोचित वितरण सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है?

नवाचार से निखरी शिक्षा, रामानुजनगर के शिक्षकों ने 'शिक्षा गौरव अलंकरण 2025' में रचा इतिहास

तीन शिक्षकों को 'शिक्षादूत' और एक को 'शिक्षा श्री' सम्मान,प्रयोगधर्मी शिक्षण बना सफलता की पहचान

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सीमित संसाधनों में भी अगर सोच नई हो और इरादे मजबूत,तो शिक्षा की तस्वीर बदली जा सकती है–रामानुजनगर के शिक्षकों ने इसे साबित कर दिखाया है,जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2025 में विकासखंड के शिक्षकों ने अपने नवाचारों और समर्पण से ऐसा मुकाम हासिल किया, जो अब पूरे जिले के लिए प्रेरणा बन गया है। मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण 2025 ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा में बदलाव के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े विचारों की जरूरत होती है,रामानुजनगर के इन शिक्षकों ने अपने समर्पण और नवाचार से यह दिखा दिया कि अगर शिक्षक ठान लें, तो किसी भी परिस्थिति में शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है,उनकी यह सफलता आने वाले समय में पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल बनेगी।

भव्य आयोजन में मिला सम्मान- शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस गरिमामय समारोह में रामानुजनगर विकासखंड के तीन शिक्षकों को 'शिक्षादूत' और एक शिक्षक को 'शिक्षा श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया गया, कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें केबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और विधायक भुलन सिंह मरावी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, अतिथियों ने शिक्षकों के नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि आज के शिक्षक सिर्फ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले असली निर्माता हैं।

नवाचारों ने बदली कक्षा की तस्वीर

सम्मानित शिक्षकों ने अपने-अपने विद्यालयों में ऐसे प्रयोग किए, जिन्होंने पढ़ाई को न सिर्फ आसान, बल्कि रोचक और प्रभावी बना दिया।

खेल-खेल में सीखना : संजय कुमार साहू की पहल

प्रधान पाठक संजय कुमार साहू ने 'खेल-खेल में सीखना' पद्धति को अपनाकर बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाई, स्थानीय संसाधनों से टीएलएम तैयार कर उन्होंने गणित और भाषा जैसे विषयों को सरल बनाया, कोरोना काल में मोहल्ला क्लास और ऑनलाइन माध्यम से बच्चों को पढ़ाना उनकी खास पहल रही, यूट्यूब के जरिए बच्चों को जोड़कर उन्होंने पढ़ाई को डिजिटल रूप दिया, जिसके लिए उन्हें 'छत्तीसगढ़ नायक' के रूप में भी पहचान मिली।

व्यक्तिगत शिक्षण से बेहतर परिणाम: राहुल कुमार निषाद- सहायक शिक्षक राहुल कुमार निषाद ने बच्चों के लिए व्यक्तिगत शिक्षण योजना तैयार की, उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देते हुए दीवार लेखन, चित्र आधारित शिक्षा और नियमित मूल्यांकन के माध्यम से सीखने के स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया।

बालिकाओं को मिला नया आत्मविश्वास: मंजुलता सतपाती- सहायक शिक्षिका मंजुलता सतपाती ने बालिकाओं की शिक्षा और सहभागिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रचनात्मक गतिविधियां और स्वच्छता अभियान के माध्यम से उन्होंने बच्चों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित की।

प्रयोग आधारित शिक्षा : दिलीप कुमार श्रीवास्तव का योगदान- माध्यमिक शाला बकाना के शिक्षक दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने विज्ञान और गणित को आसान बनाने के लिए प्रयोग आधारित शिक्षण को अपनाया, कम लागत वाले मॉडल और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से उन्होंने बच्चों में जिज्ञासा और तार्किक सोच को बढ़ावा दिया, जिससे परीक्षा परिणामों में भी सुधार हुआ।

विद्यालय और समाज के बीच मजबूत संबंध- इन शिक्षकों ने कक्षा तक सीमित न रहकर समाज के साथ भी मजबूत जुड़ाव बनाया,पालक-शिक्षक बैठक, जनजागरूकता अभियान और सामुदायिक सहयोग के जरिए विद्यालयों को एक सशक्त शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया गया।

अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणा

इस सम्मान के बाद पूरे रामानुजनगर विकासखंड में उत्साह का माहौल है, यह उपलब्धि अन्य शिक्षकों को भी नवाचार अपनाने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रेरित कर रही है, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत बताया।

युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर..जशपुर में 28 अप्रैल को लगेगा रोजगार मेला, 360 पदों पर होगी भर्ती

-संवाददाता-
जशपुरनगर,25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का एक सुनहरा अवसर है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जशपुर द्वारा 28 अप्रैल 2026 मंगलवार को रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले में तीन कंपनियों द्वारा कुल 360 पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक आवेदक सुबह 11रू00 बजे से अपने मूल दस्तावेजों के साथ रोजगार कार्यालय, जशपुर में उपस्थित होकर रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आवेदकों को अपने साथ समस्त मूल प्रमाण पत्रों, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन

केन्द्र जशपुर में उपस्थित होना है। रोजगार मेले में RJ Group man power Jashpur Nagar अंतर्गत 50 पदों में भर्ती होनी है, जिनमें सिक्योरिटी गार्ड हेतु 20 पद योग्यता 10 वीं व 12 वी, फाइनेंस ऑफिसर के 10 पद योग्यता 10 वीं व 12 वी, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 10 पद योग्यता 12 वीं के साथ डीसीए, रिसेपनिस्ट के 5 पद योग्यता 12 वीं के साथ डीसीए और स्टाफ नर्स के 5 पदों के लिए योग्यता नर्सिंग होना आवश्यक हैं। इसी तरह मीटर इंस्टालेशन के लिए 300 पदों में भर्ती होनी है,इसके लिए योग्यता आईटीआई और नॉन आईटीआई मांगी गई है। Svatantra Microfin Pvt.Ltd में फ़ील्ड ऑफिसर के 10 पदों के लिए योग्यता 10 वीं पास निर्धारित है। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक युवाओं से इस रोजगार मेले में भाग लेकर अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल को

जिले के 15 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न होगी परीक्षा, 4904 परीक्षार्थी होगें सम्मिलित

-संवाददाता-
जशपुरनगर,25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आगामी 26 अप्रैल 2026 को छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह परीक्षा राज्य के 16 जिलों में आयोजित की जा रही है। जिसमें लगभग 2 लाख 47 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिसमें प्रदेश के 33 जिलों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। जशपुर जिले में कुल 15 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा सम्पन्न होगी, जिसमें 4904 परीक्षार्थी सम्मिलित होगें। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित परीक्षार्थियों को परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केंद्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन करें। ताकि परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे उनकी फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र के माध्यम से सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूर्ण की जा सके। परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार सुबह 9:30 बजे बंद कर दिए जाएंगे, जिसके पश्चात किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चेतु टेकाम आ0.स्व. बरन गोंड निवासी किशुन नगर थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने पिता (स्व. बरन, गोंड)आ0 परभु की मृत्यु दिनांक 01/05/2019 को स्थान निवास में हुई है।

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 24/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर,सरगुजा

शिवानी अंडरग्राउंड खान में हथियारबंद चोरी का खुलासा,7 आरोपी गिरफ्तार

ढाई लाख का कॉपर केबल बरामद,तलवार-तब्बल के साथ वारदात को दिया था अंजाम–ठेकेदार का कर्मचारी भी शामिल

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले के भटगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित शिवानी भूमिगत खदान में हुई सनसनीखेज चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है, हथियारों से लैस होकर खदान के प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसकर कॉपर केबल चोरी करने वाले 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे

से करीब 70 मीटर कॉपर केबल तार (कीमत लगभग 2 लाख 50 हजार रुपए) तथा घटना में प्रयुक्त तलवार और तब्बल भी जब्त किए गए हैं, इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि चोरी की इस वारदात में खदान में काम करने वाले एक प्राइवेट ठेकेदार के कर्मचारी की भी अहम भूमिका रही, जिसने आरोपियों को अंदर की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई। शिवानी भूमिगत खान में हुई यह चोरी न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अंदरूनी जानकारी के बिना इस तरह की वारदात संभव नहीं होती, पुलिस की तत्परता से जहां इस मामले का खुलासा हुआ, वहीं अब यह भी जरूरी हो गया है कि खदानों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

हथियार लेकर खदान में घुसे, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात- प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 24 अप्रैल 2026 को शिवानी भूमिगत खान के प्रबंधक चन्द्रकांत सोनवानी ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, उन्होंने बताया कि 20 अप्रैल की सुबह अज्ञात चोर खदान के प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गए और वहां रखे कॉपर केबल तार को काटकर चोरी कर ले गए, घटना खदान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी, जिसमें आरोपी तलवार, तब्बल और टांगी जैसे हथियारों से लैस नजर आए। हथियारबंद होने के कारण ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड भी उन्हें रोकने की हिम्मत नहीं कर पाए।

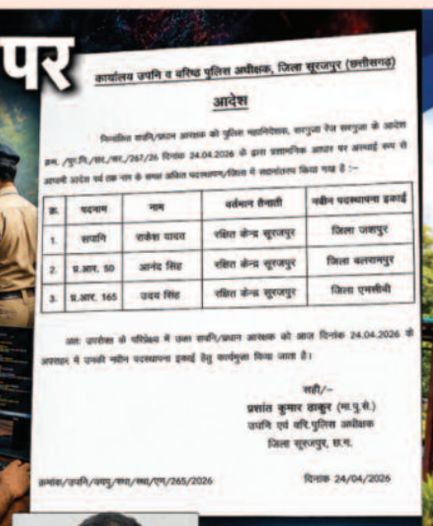
कार्यालय उपनि व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

आदेश

क्र.	पदनाम	नाम	वर्तमान तैनाती	नवीन पदस्थापना इकाई
1.	सायबर	राकेश यादव	रक्षित केन्द्र सूरजपुर	जिला जशपुर
2.	प्र.आर. 50	आनंद सिंह	रक्षित केन्द्र सूरजपुर	जिला बलरामपुर
3.	प्र.आर. 165	उदय सिंह	रक्षित केन्द्र सूरजपुर	जिला एमसीबी

प्रशांत कुमार ठाकुर (भा.पु.से.)
उपनि एवं वरि पुलिस अधीक्षक
जिला सूरजपुर, छ.ग.

दिनांक 24/04/2026

सरगुजा आईजी
दीपक कुमार झा

खबर से हिली व्यवस्था : जुए के 'डिजिटल संरक्षण' पर बड़ी कार्रवाई, साइबर टीम से जुड़े तीन कर्मियों का तबादला...जांच का दायरा बढ़ा

पहले लाइन हाजिर,अब जिले से बाहर ट्रांसफर-तीन नाम सूची में,बाकी 'पिक्चर'अभी बाकी,आईजी ने माना-खबर सही थी,कार्रवाई जरूरी थी...

- **कुमेली जंगल से शुरू हुआ मामला अब सिस्टम की परतें खोल रहा-वायरल वीडियो**
- **जुए के नेटवर्क पर प्रहार : साइबर टीम की भूमिका पर कार्रवाई**
- **खुलासे के बाद सख्ती : सूरजपुर जुआ कांड में तीन पुलिसकर्मी जिले से बाहर**

-शमरोज खान-

सूरजपुर 25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में कथित जुआ नेटवर्क और उसे मिले संरक्षण को लेकर पिछले कुछ दिनों से जो घटनाक्रम सामने आ रहा था, वह अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है, दैनिक घटती-घटना द्वारा लगातार प्रकाशित खबरों, साक्ष्यों और वायरल वीडियो के बाद पुलिस विभाग ने आखिरकार सख्त रुख अपनाया है, पहले संबंधित कर्मियों को लाइन हाजिर किया गया और अब उन्हें जिले से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है, सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई को न केवल प्रशासनिक कदम, बल्कि पुलिस व्यवस्था की छवि सुधारने की दिशा में उठाया गया बड़ा फैसला माना जा रहा है, हालांकि, पूरे मामले में अभी भी कई सवाल बाकी हैं और जांच का दायरा आगे बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। बता दे की सूरजपुर के चर्चित जुआ प्रकरण में जहां तीन पुलिसकर्मियों का तबादला कर प्रशासन ने सख्ती का संदेश दिया है, वहीं इस पूरे मामले में दो नाम अब भी चर्चा के केंद्र में हैं विकास पटेल और महेंद्र सिंह। ये दोनों फिलहाल आधिकारिक तबादला सूची से बाहर हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर इन्हें भी इस पूरे नेटवर्क से जुड़ा बताया जा रहा है, ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि जब कार्रवाई शुरू हो चुकी है, तो इन नामों पर निर्णय कब लिया जाएगा, सूत्रों की मानें तो इन दोनों के नाम पहले से ही खबरों और चर्चाओं में रहे हैं, इसके बावजूद सूची में शामिल न होना कई तरह की अटकलों को जन्म दे रहा है, हालांकि विभागीय स्तर पर यह भी कहा जा रहा है कि कार्रवाई चरणबद्ध तरीके से हो रही है और आगे सूची का विस्तार संभव है, यही वजह है कि इस पूरे मामले को लेकर अब यह कहा जाने लगा है–'पिक्चर अभी बाकी है।' महेंद्र सिंह को लेकर एक और पहलू चर्चा में है, वह उनकी कथित राजनीतिक पकड़, लेकिन जिस तरह से इस मामले में उच्च अधिकारियों ने संज्ञान लेकर सख्त रुख अपनाया है, उससे यह संकेत मिल रहा है कि अब किसी प्रकार का संरक्षण मिलना आसान नहीं होगा, पुलिस की छवि को लेकर जो सवाल खड़े हुए हैं,उन्हें देखते हुए अब निष्पक्ष कार्रवाई की अपेक्षा बढ़ गई है, ऐसे में माना जा रहा है कि यदि जांच में इनकी संलिप्तता सामने आती है, तो इन दोनों का भी जिले से बाहर जाना तय हो सकता है, फिलहाल भले ही ये नाम सूची से बाहर हों, लेकिन नजरें अब अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

कुमेली जंगल से उठी कहानी : जब जंगल बना जुए का अड्डा

इस पूरे मामले की शुरुआत उस समय हुई जब सूरजपुर जिले के कुमेली जंगल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जुआ संचालित होने की खबरें सामने आईं, प्रारंभिक रिपोर्टों में यह संकेत दिया गया कि यह कोई सामान्य स्तर का जुआ नहीं था, बल्कि संगठित तरीके से संचालित एक नेटवर्क था, जिसमें लाखों रुपये का लेन-देन हो रहा था। जंगल के भीतर देर रात तक चलने वाले इस खेल ने स्थानीय स्तर पर कई सवाल खड़े किए, समाचारों में यह भी बताया गया कि यह गतिविधि अचानक नहीं शुरू हुई थी, बल्कि लंबे समय से चल रही थी, इससे यह संदेह और गहरा हुआ कि कहीं न कहीं इसे संरक्षण मिल रहा है, क्योंकि इतने बड़े स्तर पर बिना किसी जानकारी के जुआ संचालित होना संभव नहीं माना जा सकता।

वायरल वीडियो ने बढ़ाया दबाव, वर्दी की मौजूदगी से उठे सवाल

मामला उस समय और गंभीर हो गया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, इस वीडियो में जुए का खेल चलता हुआ दिखाई दिया, साथ ही एक वर्दीधारी की कथित मौजूदगी ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया, वीडियो के सामने आने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि मामला सिर्फ अवैध जुए तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पुलिस विभाग के भीतर की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं, वीडियो ने जनता और प्रशासन दोनों का ध्यान इस ओर खींचा। इसके बाद इस मुद्दे को नजरअंदाज करना संभव नहीं रह गया और जांच की मांग तेज हो गई।

लगातार खबरों ने बनाए रखा दबाव,साक्ष्यों के साथ उठे सवाल

दैनिक घटती-घटना द्वारा इस पूरे मामले को लगातार प्रमुखता से उठाया गया, खबरों में केवल आरोप नहीं लगाए गए, बल्कि समय-समय पर साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए, वीडियो, फोटो और स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी ने इस पूरे नेटवर्क की गंभीरता को उजागर किया, खबरों में यह भी बताया गया कि जुए का यह नेटवर्क केवल एक स्थान तक सीमित नहीं था, बल्कि विभिन्न इलाकों में इसके संचालन की चर्चा थी। इससे यह सवाल और महत्वपूर्ण हो गया कि आखिर इतने बड़े नेटवर्क को किसका संरक्षण प्राप्त था।

प्रारंभिक कार्रवाई में लाइन हाजिर से शुरू हुआ सिलसिला

वायरल वीडियो और खबरों के बाद पुलिस विभाग ने पहली कार्रवाई के रूप में संबंधित कर्मियों को लाइन हाजिर किया, यह कदम तत्कालीन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया था, हालांकि,इस कार्रवाई को लेकर यह भी चर्चा रही कि यह केवल प्रारंभिक कदम है और आगे और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता होगी, लाइन हाजिर के बाद भी मामले की गंभीरता बनी रही और यह स्पष्ट हो गया कि केवल इतना पर्याप्त नहीं होगा।

बड़ा फैसला : साइबर टीम से जुड़े तीन कर्मियों का तबादला

ताजा घटनाक्रम में पुलिस विभाग ने बड़ा कदम उठाते हुए साइबर टीम से जुड़े तीन कर्मियों का जिले से बाहर तबादला कर दिया है, जारी आदेश के अनुसार राकेश यादव, आनंद सिंह और उदय सिंह को क्रमशः जशपुर, बलरामपुर और एमसीबी जिलों में स्थानांतरित किया गया है, यह कार्रवाई प्रशासनिक आधार पर की गई है, लेकिन इसे सीधे तौर पर जुआ मामले से जोड़कर देखा जा रहा है। यह कदम इस बात का संकेत है कि विभाग अब इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रहा है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या संलिप्तता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

साइबर टीम की भूमिका पर सवालः सहयोग या संलिप्तता?

इस पूरे मामले में सबसे अधिक चर्चा साइबर टीम की भूमिका को लेकर हुई, साइबर टीम का कार्य सामान्यतः तकनीकी सहायता प्रदान करना होता है, लेकिन यहां आरोप यह था कि टीम अपनी मूल भूमिका से हटकर काम कर रही थी, खबरों में यह भी सामने आया कि थानों को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा था और कई मामलों में साइबर टीम की कार्यप्रणाली पर संदेह व्यक्त किया गया, अब जब उसी टीम से जुड़े कर्मियों पर कार्रवाई हुई है, तो यह सवाल और महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या वास्तव में सिस्टम के भीतर कोई गड़बड़ी थी।

लगातार खबरें और साक्ष्यों के बाद आईजी का संज्ञान; पहले लाइन हाजिर, अब जिले से बाहर ट्रांसफर, आगे और नामों पर भी नजर

साइबर सुरक्षा या जुए का सॉफ्टवेयर? सूरजपुर में 'डिजिटल संरक्षण' का खुला खेल!
दैनिक घटती-घटना के खुलासों के बाद हिली कुर्सियां...लाइन हाजिर हुए 'टेक्निकल महारथी',अब एमसीबी में भी वही कहानी दोहराने की तैयारी?
CYBER TEAM

कुमेली जंगल में जुए का कथित साम्राज्य
'न बंद हुआ, न बंद होगा' के दावे से मचा हड़कंप

सूरजपुर में जुए का 'जंगल राज'!
वीडियो में पुलिसकर्मी का चेहरा
सिस्टम पर बड़े सवाल
वायरल वीडियो में जुआ और वर्दी का मेल? सूरजपुर में कार्रवाई पर उठे गंभीर प्रश्न

सूरजपुर जुआ कांडः वायरल वीडियो के बाद कार्रवाई,चालक और थाना प्रभारी निलंबित,साइबर भूमिका पर सवाल बरकरार
थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा पर कार्रवाई

सरगुजा आईजी ने खबर पर संज्ञान लिया और पुलिस की छवि सुधारने पर जोर दिया...

सरगुजा आईजी दीपक कुमार झा ने साफ कहा खबरें तथ्यपरक थीं,संज्ञान लेना जरूरी था, उन्होंने यह भी माना कि समाज में पुलिस की छवि बनाए रखना उतना ही जरूरी है, जितना अपराध पर कार्रवाई, और हां, उन्होंने पत्रकारिता की भूमिका की सराहना भी की कि जुए के खिलाफ चलाई गई मुहिम सच साबित हुई और आगे भी ऐसी खबरें आती रहनी चाहिए, व्यंग्य का पुट यह कि जब तक खबरें 'फाइल' नहीं बनतीं, कई बार फाइलें 'खबर' नहीं बनतीं।

जांच का दायरा बढ़ने की संभावना, और नाम आ सकते हैं सामने

हालांकि अभी तक तीन कर्मियों का तबादला किया गया है,लेकिन यह माना जा रहा है कि जांच अभी जारी है और आने वाले समय में और नाम सामने आ सकते हैं, विभागीय सूत्रों के अनुसार इस पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है,यदि जांच में और लोगों की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है, इससे यह संकेत मिलता है कि यह मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है।

सिस्टम सुधार की चुनौती : केवल तबादला पर्याप्त नहीं...

इस पूरे घटनाक्रम ने पुलिस व्यवस्था के भीतर सुधार की आवश्यकता को भी उजागर किया है, विशेषज्ञों का मानना है कि केवल तबादला या निलंबन से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा,जरूरत इस बात की है कि सिस्टम को पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों, साइबर टीम की भूमिका को स्पष्ट करना और थानों के साथ समन्वय बढ़ाना भी आवश्यक है।

कार्रवाई हुई,लेकिन असली परीक्षा अभी बाकी

सूरजपुर का यह मामला अब एक उदाहरण बन चुका है कि कैसे लगातार रिपोर्टिंग, साक्ष्य और जनदबाव के चलते प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी, हालांकि, यह केवल शुरुआत है और असली परीक्षा अभी बाकी है, जनता की नजर अब इस बात पर है कि क्या इस कार्रवाई से वास्तव में बदलाव आएगा या फिर यह मामला भी समय के साथ ठंडा पड़ जाएगा,फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि इस बार खबरों ने केवल सवाल ही नहीं उठाए, बल्कि जवाब भी निकलवाए हैं।

पुलिस लाइन में गूंजा अनुशासन का दम : जनरल परेड में जवानों ने दिखाया जोश और तालमेल

डीआईजी-एसएसपी प्रशांत ठाकुर ने किया निरीक्षण,फिटनेस और फील्ड एक्टिविटी पर दिया जोर

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर पुलिस लाइन में आयोजित जनरल परेड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि पुलिस बल की असली ताकत सिर्फ वर्दी नहीं,बल्कि अनुशासन,फिटनेस और टीमवर्क में छिपी होती है। शुक्रवार को हुई इस परेड में जवानों का जोश,उत्साह और शानदार तालमेल देखने लायक रहा, जिसने पूरे माहौल को ऊर्जा से भर दिया।

अनुशासन और तालमेल का शानदार प्रदर्शन-24 अप्रैल 2026 को आयोजित इस जनरल परेड में पुलिस जवानों ने अनुशासन और एकजुटता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया, परेड के दौरान कदमताल, ड्रिल और समन्वय इतना सटीक था कि यह साफ झलक रहा था कि पुलिस बल अपनी जिम्मेदारियों को लेकर पूरी तरह सजग और तैयार है।

डीआईजी-एसएसपी ने किया निरीक्षण-परेड का निरीक्षण डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा किया गया, उन्होंने जवानों की टर्नआउट, ड्रिल और अनुशासन का बारीकी से अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, निरीक्षण के दौरान उन्होंने जवानों की तत्परता और प्रदर्शन की सराहना की।

फिटनेस पर दिया विशेष जोर

इस अवसर पर डीआईजी-एसएसपी ने पुलिस बल को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने की आवश्यकता पर जोर दिया,उन्होंने नियमित व्यायाम, अनुशासित दिनचर्या और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी, ताकि जवान हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

फील्ड में सक्रियता बढ़ाने के निर्देश

उन्होंने पुलिस अधिकारियों और जवानों को निर्देशित किया कि वे फील्ड में अधिक सक्रिय रहें और आपराधिक तत्वों पर कड़ी नजर बनाए रखें, उन्होंने कहा कि सतर्कता और सक्रियता ही अपराध नियंत्रण का सबसे प्रभावी तरीका है।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस दौरान एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, सीएसपी बेनाई कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, डीएसपी अजाक रीना नीलम कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित थाना-चौकी प्रभारी और बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

कृति सेनन ने बताया बॉलीवुड में सफलता का मूलमंत्र

सिर्फ मेहनत से सुपरस्टार नहीं बनी परम सुंदरी

कृति सेनन ने बॉलीवुड में अपनी सफलता का मूलमंत्र शेयर किया। एक्ट्रेस अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आएंगी।बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन,अपनी हालिया फिल्मों के बॉक्स-ऑफिस प्रदर्शन की बदौलत इन दिनों सफलता की ऊंचाइयों को छू रही हैं। ऐसे में

हर कोई उनकी सफलता की कहानी में दिलचस्पी ले रहा है। अब उन्होंने हाल ही में बताया वे इस सफलता और कड़ी मेहनत, टैलेंट और किस्मत के बीच के रिश्ते को किस नजर से देखती हैं।

हर कदम पर कृति ने साबित किया टैलेंट

मिमी में अपनी नेशनल अवार्ड-विनिंग परफॉर्मेंस से लेकर तेरे इश्क में में अपनी इमोशनल गहराई से लोगों का दिल जीतने तक, कृति का सफर उनके टैलेंट और वर्सेटैलिटी को दर्शाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत हीरोपंती से की थी और पहली ही फिल्म से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। इसके बाद वे बरेली की बर्फी, लुका छुपी, दिलवाले, हाउसफुल 4, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया जैसी फिल्मों में नजर आईं। जैसे-जैसे वह कॉकटेल 2 के लिए तैयार हो रही हैं, वह पीछे मुड़कर देखती हैं कि कैसे अवसरों को पहचानना और उन पर काम करना उनके इस सफर को आकार देने में मददगार साबित हुआ।

मेहनत और किस्मत दोनों का मेल है सफलता : कृति

सफलता में सही समय और किस्मत बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, मैं किस्मत में यकीन करती हूं, मैं तकदीर में बहुत ज्यादा यकीन करती हूं। मुझे लगता है कि यह हमेशा कड़ी मेहनत, हुनर और तकदीर का मेल होता है,और साथ ही मौकों को पहचानने की काबिलियत भी इसमें शामिल होती है। हो सकता है कि कोई मौका आपके सामने से गुजर जाए और आप उसे देख न पाएं,या आप उस पर तुरंत कदम न उठा पाएं;लेकिन जोखिम उठाने का साहस, किसी नई चीज में कूद पड़ने का हौसला, यानी कुछ ऐसा करना जिससे आपको डर लगता हो,लेकिन फिर भी आप उसे कर गुजरें। तो मुझे लगता है कि उस मौके को पहचानने के लिए यह हिम्मत भी बहुत जरूरी है।

कृति सेनन का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर हैं। यह फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। कॉकटेल 2 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

भूत बंगला के बाद बाहुबली के भल्लालदेव से टक्कर लेंगे अक्षय कुमार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स फिल्म में एक टॉप हीरो का कैमियो भी लाने की योजना बना रहे हैं। अक्षय कुमार इस वक्त भूत बंगला की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस बीच खबर आ रही है कि वे एक हिस्टोरिकल थ्रिलर के लिए राणा दग्गुबाती के साथ आने वाले हैं। हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार,इस फिल्म को चंदू मोंडेती डायरेक्ट करेंगे, जो कार्तिकेय 2 में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

भल्लालदेव के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राणा दग्गुबाती (एक हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे, जिसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी और इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रख रहे हैं, और ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। खैर, अभी तक इस बारे में कुछ भी ऑफिशियल तौर पर नहीं बताया गया है। इस बड़े पैमाने के प्रोजेक्ट को करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट करेगा। इस फिल्म का निर्देशन चंदू मोंडेती करेंगे, जिन्होंने कार्तिकेय 2 से देशव्यापी सराहना हासिल की थी और जो प्राचीन रहस्यों के इर्द-गिर्द कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं।

अक्षय कुमार का वर्कफंट

अक्षय कुमार एक्टर इस वक्त हॉरर कॉमेडी फिल्म, भूत बंगला में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में तब्बू और वामिका गब्बी भी हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसके बाद अक्षय सैफ अली खान के साथ हैवान में भी नजर आने वाले हैं।

राणा दग्गुबाती का वर्क फ्रंट

एक्टर राणा दग्गुबाती के ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म जय हनुमान की कास्ट में शामिल होने की अटकलों से लगातार उत्साह बढ़ रहा है। यह आने वाला माइथोलॉजिकल एक्शन ड्रामा, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म हनुमान का सीक्वल है।

4000 कैदी,जेल की सलाखें और वो अनकहा सच!

66 साल के संजू बाबा को ऐसे मिली खलनायक 2 की कहानी

संजय दत्त खलनायक- रिटर्न्स के साथ फिर से खूंखार विलेन बल्लू बनकर लौट रहे हैं। हाल ही में अभिनेता ने बताया कि 4 हजार कैदियों ने कैसे उन्हें यह सीक्वल बनाने के लिए प्रेरित किया। संजय दत्त के पास इस वक्त कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। धुरंधर 2 के बाद अभिनेता जल्द ही राजा शिवाजी,केडी: द डेविल और आखिरी सवाल में नजर आने वाले हैं। इस बीच ही उन्होंने 33 साल पुरानी फिल्म के सीक्वल पर भी मुहर लगा दी है।हाल ही में संजय दत्त ने कल्ट क्लासिक फिल्म खलनायक के सीक्वल का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज किया। यू-ट्यूब पर वीडियो रिलीज करने के साथ ही मुंबई में इसके एक इवेंट का आयोजन भी किया गया,जहां उन्होंने बताया कि उन्हें खलनायक रिटर्न्स बनाने का आइडिया कहां से आया।

जेल में 4 हजार कैदियों से पूछा था ऐसा सवाल

समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खलनायक रिटर्न्स के फर्स्ट लुक टीजर लॉन्च इवेंट पर संजय दत्त ने बताया कि उन्हें खलनायक का सीक्वल बनाने का आइडिया जेल में आया था। संजू बाबा ने कहा, जेल में मैंने मेरे आसपास सभी से पूछा कि कौन-कौन यह फिल्म देखना चाहेगा। वहां पर मौजूद सभी 4 हजार कैदियों ने कहा कि वे यह देखना चाहेंगे। मैंने उन सभी से इस बारे में एक-एक पन्ना लिखने के लिए कहा और मुझे उन सभी 4 हजार पन्नों को पढ़ने में काफी समय लगा था। जब मैं पेरोल पर बाहर आया, मैंने सुभाष घई सर को वे दिखाए और उसके बाद, उन्होंने मुझसे कहा कि हमें यह जरूर बनानी चाहिए।

मैं हमेशा इनकी मदद के लिए खड़ा हूं : सुभाष घई

सुभाष घई, जो 1993 में रिलीज हुई खलनायक के निर्देशक थे, उन्होंने संजय दत्त की तारीफ करते हुए कहा, यह उनकी इच्छा और पैशन था। मान्यता और संजू यह चाहते थे कि इस फिल्म का सीक्वल जरूर बने। मुझे पूरा यकीन है कि यह पहली से बेहतर होगी। मैं संजू की मदद के लिए हमेशा तैयार हूं। इस इवेंट में संजय दत्त ने सुभाष घई का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, खलनायक की ये लंबी जर्नी बिना शोमैन के पूरी नहीं हो सकती थी। वे एंटरटेनमेंट जगत के लीजेंड हैं,वे इस खलनायक का भी पार्ट होंगे। आपको बता दें कि 6 अगस्त 1993 में रिलीज हुई खलनायक उस साल की आंखें के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी।

मई 2026 में स्टार वैक्यूम का सामना करेगा, छोटी फिल्मों को सुनहरा मौका मिलेगा

टॉलीवुड में गर्मी का मौसम आमतौर पर स्टार हीरो की बड़ी फिल्मों और बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स की चर्चा लेकर आता है। हालांकि,मई 2026 का महीना बिल्कुल अलग होने वाला है। इस बार बड़े स्टार की फिल्में न होने से थिएटर्स में एक तरह का स्टार वैक्यूम देखने को मिल रहा है। लेकिन

यह स्थिति छोटी और मिड-रेंज फिल्मों के लिए एक सुनहरा मौका बन गई है। चूंकि यह गर्मी की छुट्टियों का मौसम है, इसलिए फैमिली ऑडियंस के थिएटर्स में आने के ज्यादा चांस हैं। इस लिहाज़ से, भले ही बड़ी ओपनिंग के लिए स्टार पावर न हो, लेकिन इन फिल्मों के पास पॉजिटिव बातें मिलने पर अपने कलेक्शन बनाए रखने का मौका है। इसीलिए यह राय मजबूत हो रही है कि इस बार सफलता पूरी तरह से कंटेंट के हाथ में है। पहले,स्टार इमेज किसी फिल्म को कम से कम पहले वीकेंड तक तो खींच ही लेती थी। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। सोशल मीडिया और रिव्यू के असर से वर्ड ऑफ माउथ बहुत ज़रूरी हो गया है। हाल की कई फिल्मों ने साबित कर दिया है कि एक अच्छी कहानी, मजबूत इमोशंस और एक दिलचस्प स्क्रीनप्ले बिना स्टार के भी दर्शकों को थिएटर्स तक खींच सकता है। इस मई में रिलीज होने वाली फिल्में भी इसी ट्रेंड को फॉलो कर रही हैं।

खेल समाचार

264 रन बनाकर हारी दिल्ली कैपिटल्स

पंजाब किंग्स ने चेज किया आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट

नई दिल्ली,25 अप्रैल 2026। आईपीएल 2026 का 35वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच आज यानी 25 अप्रैल को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने इतिहास रच दिया। उन्होंने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य चेज कर दिया। पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स ने 265 रन का लक्ष्य दिया था, जो उन्होंने 18.5 ओवर में 6 विकेट रहते चेज कर दिया।

पंजाब किंग्स के लिए सर्वाधिक 76 रन प्रभसिमरन सिंह ने बनाए। इसके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 71 रन की नाबाद पारी खेली। प्रियांश आर्य ने भी 41 रन की तूफानी पारी खेली थी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 2 विकेट कुलदीप यादव ने लिए। 1-1 विकेट अक्षर पटेल

और विप्रज निगम को मिला। बता दें कि दिल्ली की इस सीजन यह चौथी हार थी। उनका प्लेऑफ में पहुंचना धीरे-धीरे मुश्किल होता जा रहा है। दूसरी ओर, पंजाब किंग्स की इस सीजन यह छठी जीत थी। वे अब तक इस सीजन 1 भी मैच नहीं हारे और पॉइंट्स टेबल में टॉप पर हैं।

कुछ ऐसी रही थी दिल्ली कैपिटल्स की पारी

इस सीजन लगातार 7वां टॉस जीतकर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। डीसी को 2.4 ओवर में पथुम निसांका के रूप में पहला झटका लगा। निसांका 7 गेंदों में 2 चौकों के साथ महज 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उस समय तक टीम के खाते में महज 28 रन ही जुड़ सके थे। यहां से केएल राहुल ने नितीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 95 गेंदों में 220 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। नितीश 44 गेंदों में 4 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद डेविड मिलर ने केएल राहुल के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने 9 गेंदों में 16 रन की अटूट साझेदारी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को उसके आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े स्कोर 264/2 तक पहुंचाया।

जॉर्जियोस डोनिस बने सऊदी अरब के नए हेड कोच, 2026 वर्ल्ड कप से पहले बड़ी जिम्मेदारी

लंदन,25 अप्रैल 2026। सऊदी अरब की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को नया हेड कोच मिल गया है। ग्रीस के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अनुभवी कोच जॉर्जियस डोनिस को टीम की कमान सौंपी गई है। उन्होंने इस पद पर हार्वी बेन्वार्ड की जगह ली है, जिन्होंने पहले टीम के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली थीं। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब आगामी फ ीफ वर्ल्ड कप2026 नजदीक है और टीम की तैयारी को लेकर दबाव बढ़ रहा है। सऊदी अरब की टीम, जिसे ग्रीन फाल्कन्स भी कहा जाता है, इस समय अपने प्रदर्शन में स्थिरता और मजबूती की तलाश में है। ऐसे में डोनिस के सामने टीम को फिर से प्रतिस्पर्धी स्तर पर लाने की चुनौती है। डोनिस को एक ऐसे समय में जिम्मेदारी मिली है जब टीम को तकनीकी सुधार, रणनीतिक मजबूती और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने की जरूरत है। उनके अनुभव को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि वे टीम में एक नई खेल शैली और अनुशासन लेकर आएंगे। पूर्व कोच हर्वे रेनार्ड के कार्यकाल में सऊदी अरब ने कुछ यादगार प्रदर्शन किए थे, लेकिन निरंतरता की कमी और बड़े टूर्नामेंट्स में अपेक्षित परिणाम न मिल पाने के कारण बदलाव की दिशा में कदम उठाया गया। अब डोनिस पर जिम्मेदारी है कि वे उस अधूरे काम को आगे बढ़ाएं और टीम को नए स्तर तक पहुंचाएं।

कैच लेते समय गंभीर रूप से चोटिल हुए लुंगी एनगिडी

स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा अस्पताल,15 मिनट तक रोकना पड़ा मैच

नई दिल्ली,25 अप्रैल 2026। आईपीएल के दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के मुकाबले में उस वक्त सन्नाटा छा गया जब लुंगी एनगिडी गंभीर रूप से चोटिल हो गए। जिसने खिलाड़ियों और स्टेडियम में मौजूद फैंस को चिंता में डाल दिया।

कैच लेने के प्रयास में बिगड़ा संतुलन

घटना तीसरे ओवर की तीसरी गेंद पर हुई, जब अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्य ने जोरदार शॉट खेला। गेंद हवा में मिड-ऑफ की दिशा में गई। कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागते हुए एनगिडी का संतुलन बिगड़ गया और वह उल्टे गिर पड़े।

सिर और गर्दन में गंभीर चोट

गिरने के दौरान एनगिडी सीधे सिर के बल जमीन पर गिरे, जिससे उनके सिर और गर्दन में गंभीर चोट आई। वह मैदान पर उठ नहीं पा रहे थे। तुरंत टीम के फिजियो और डॉक्टर मैदान में पहुंचे और प्राथमिक उपचार दिया गया।

स्ट्रेचर से एम्बुलेंस तक, फिर अस्पताल

स्थिति गंभीर देखते हुए मैदान के अंदर एम्बुलेंस बुलानी पड़ी।

एनगिडी को गर्दन में ब्रेस लगाकर स्ट्रेचर पर लेटाया गया और तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान मैदान पर मौजूद सभी खिलाड़ी और स्टेडियम में मौजूद दर्शक काफी चिंतित नजर आए।

कुछ देर के लिए रुका मैच

इस घटना के चलते मैच को करीब 15-16 मिनट तक रोकना पड़ा। बाद में खेल दोबारा शुरू हुआ और एनगिडी की जगह दुश्मंथा चमीरा को सब्स्टीट्यूट फील्डर के रूप में मैदान में उतारा गया।

नवी मुंबई 26 अप्रैल को आईबीए ग्लोबल बॉक्सिंग सीरीज़ की मेज़बानी करेगा

नवी मुंबई,25 अप्रैल 2026। नवी मुंबई 26 अप्रैल को नेरुल के नेक्सस सीवुड्स मॉल में शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक अपना पहला इंटरनेशनल लेवल का बॉक्सिंग टूर्नामेंट, आईबीए ग्लोबल बॉक्सिंग सीरीज़ होस्ट करने वाला है। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के जाने-माने बॉक्सर हिस्सा लेंगे, जो नवी मुंबई की एक स्पोर्टिंग हब के तौर पर बढ़ती पहचान को दिखाएगा। यह इवेंट मरीन बॉक्सिंग एकेडमी, नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के साथ मिलकर ऑर्गनाइज़ कर रही है।

ओलंपिक मेडलिस्ट और छह बार की वर्ल्ड चैंपियन मैरी कॉम स्पेशल गेस्ट के तौर पर आएंगी, जिससे कॉम्पिटिशन में स्टार अपील आएगी। अधिकारियों ने कहा है कि उनके आने से स्पोर्ट्स के शौकीनों की बड़ी भीड़ आने की उम्मीद है और

शहर के युवा एथलीट इंस्पायर होंगे। मैरी कॉम के हिस्सा लेने को टूर्नामेंट की क्रेडिबिलिटी बढ़ाने के तौर पर भी देखा जा रहा है और इससे उभरते हुए बॉक्सरों को वर्ल्ड क्लास बॉक्सिंग टैलेंट को करीब से देखने का एक खास मौका मिलेगा।

आईबीए ग्लोबल बॉक्सिंग सीरीज़ का मकसद लोकल युवाओं को स्पोर्ट्स में शामिल होने के लिए बढ़ावा देते हुए एलीट-लेवल कॉम्पिटिशन के लिए एक प्लेटफॉर्म देना है। सिविक अधिकारियों को उम्मीद है कि इंटरनेशनल एथलीट्स के संपर्क में आने से युवा पीढ़ी बॉक्सिंग और दूसरी स्पोर्ट्स एक्टिविटीज़ में हिस्सा लेने के लिए मोटिवेट होगी। आईपीएल अधिकारियों के मुताबिक, यह टूर्नामेंट शहर की ग्लोबल स्टेज पर एक उभरते हुए स्पोर्ट्स सिटी के तौर पर अपनी पहचान मज़बूत करने की बड़ी पहल का हिस्सा है। इस कॉम्पिटिशन में कई मैच होंगे, जिसमें अलग-अलग देशों के बॉक्सर हिस्सा लेंगे, और ऑर्गनाइज़र ने कन्फर्म किया है कि हिस्सा लेने वाले एथलीट्स, मैच शेड्यूल और दूसरे अपडेट्स के बारे में डिटेल्स इवेंट से पहले शेयर की जाएंगी। सिविक बॉडी ने लोगों को बड़ी संख्या में आने के लिए इनवाइट किया है, और इस बात पर ज़ोर दिया है कि ऐसे इवेंट्स लोगों को अपने ही शहर में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स का अनुभव करने का मौका देते हैं।

ऑर्गनाइज़र्स ने यह भी बताया है कि टूर्नामेंट में इंटरनेशनल बॉक्सिंग नियमों और सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा, जिससे एथलीट्स और दर्शकों दोनों के लिए एक हाई-क्वालिटी कॉम्पिटिटिव माहौल पक्का होगा। लोकल स्पोर्ट्स के शौकीनों, स्टूडेंट्स और एमेच्योर बॉक्सर्स को प्रोफेशनल इंटरनेशनल बॉक्सर्स के परफॉर्मेंस में शामिल होने, उन्हें देखने और उनसे सीखने के लिए बढ़ावा दिया गया है। मरीन बॉक्सिंग एकेडमी के अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि यह इवेंट नवी मुंबई को इंटरनेशनल स्पोर्ट्स इवेंट्स का रेगुलर होस्ट बनने की नींव रखेगा।

47 नक्सलियों ने तेलंगाना में किया सरेंडर

32 हथियारों के साथ मुख्यधारा में लौटे,DKSZCM,DVCM,ACM रैंक के नक्सली शामिल

जगदलपुर,25 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में पुलिस को नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है। साउथ बस्तर से जुड़े 47 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। इनमें DKSZCM, DVCM, ACM और PM जैसे कैडर्स शामिल हैं। सभी ने 32 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। ये सभी नक्सली बस्तर के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थे। सरेंडर करने वालों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य और साउथ बस्तर DVC के इंचार्ज हेमला इथु उर्फ विज्जा भी शामिल है। इसके अलावा 9वीं प्लाटून के कमांडर पोडियम लच्छु उर्फ मनोज जैसे सक्रिय कैडर भी सरेंडर करने वालों में शामिल हैं। पुलिस के अनुसार,ये सभी नक्सली तेलंगाना सरकार की सरेंडर और पुनर्वास नीति से प्रभावित हुए। साथ ही दोनों राज्यों की पुलिस के लगातार ऑपरेशन और दबाव के चलते इन्होंने मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया।

कैडर स्ट्रक्चर में बड़ा हिस्सा शामिल

सरेंडर करने वालों में अलग-अलग स्तर के कैडर शामिल हैं। इनमें शीर्ष स्तर के सदस्य से लेकर प्लाटून स्तर तक के नक्सली शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक कुल 47 में से 28 सदस्य DKSZCM से और 15 सदस्य 9वीं और 30वीं प्लाटून से जुड़े थे।

32 हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

सरेंडर के दौरान नक्सलियों ने कुल 32 हथियार भी जमा किए हैं। इनमें 1 LMG, 4 AK-47, 3 SLR, 2 इंसास राइफल, 2 मस्कट,1 BGL गन,2 एयर गन,1 पिस्टल,1 रिवॉल्वर और 12 नग सिंगल शॉट गन शामिल है। इसके अलावा 515 जिंदा कारतूस भी जमा किए गए। तेलंगाना पुलिस का कहना है कि इस सरेंडर के बाद साउथ बस्तर DVC और DKSZCM को बड़ा झटका लगा है। संगठन के कई प्रमुख नेता और कैडर अब बाहर हो चुके हैं। कुछ छिटपुट नक्सली ही बचे हैं।

पुलिस की रणनीति का असर

तेलंगाना पुलिस ने बताया कि लगातार ऑपरेशन, इंटेलिजेंस इनपुट और ग्राउंड पर मजबूत पकड़ के चलते यह सफलता मिली है। साथ ही सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास योजना के तहत मदद दी जाएगी, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। नक्सली खात्मे की डेडलाइन (31 मार्च) के दिन बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इनसे मिले इनपुट के बाद 14 करोड़ का नक्सली डंप मिला था। जिसमें 3 करोड़ कैश और 7 किलो गोल्ड बरामद हुआ। इसे अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है। इसी तरह 4 जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले थे। इसमें दंतेवाड़ा में 5, सुकमा में 2 और कांकेर में 2 नक्सली शामिल थे। पुलिस ने दंतेवाड़ा जिले को नक्सल मुक्त होने का दावा किया है। वहीं,सक्रिय नक्सलियों से पुलिस संपर्क करने की कोशिश कर रही है।

रायपुर पहुंचे जापान के प्रतिनिधिमंडल सीएम साय से मिले

रायपुर,25 अप्रैल 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और तकनीकी सहयोग के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर अपने जापान प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की उद्योगोन्मुखी और निवेश प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीकी दृष्टि से अग्रणी देश है और वहां की उन्नत विशेषज्ञता का लाभ छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के निवेश और सहयोग से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। जापान से आए प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार हुआ है,जिससे उद्योगों के विस्तार के लिए बेहतर संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा भी व्यक्त की। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, एफसेनल के डायरेक्टर युकीहिरो मोमोसे, कोनोइके ट्रांसपोर्ट के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर तोशीहीरो फूजीवारा, एफएसएनएल के मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील कुमार दीक्षित तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व सीएमडी के. डी. दीवान उपस्थित थे।

अब सीएसईबी स्कूलों में एनसीआरटीई किताबें अनिवार्य

रायपुर,25 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और किफायती बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। मुख्य सचिव ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है किमान्यता प्राप्त सभी निजी स्कूलों में अब केवल एनसीआरटीई की पाठ्य पुस्तकों से ही पढ़ाई कराना अनिवार्य होगा।

निजी किताबों के दबाव पर सख्ती : जारी आदेशों में स्पष्ट कहा गया है कि कोई भी निजी स्कूल छात्रों या अभिभावकों को निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। यदि किसी स्कूल द्वारा ऐसा किया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पालकों को राहत देने का प्रयास : सरकार का उद्देश्य अभिभावकों पर बढ़ते शैक्षणिक खर्च को कम करना और सभी के लिए शिक्षा को सुलभ बनाना है। इस निर्णय से अब अभिभावकों को महंगी किताबों के बोझ से राहत मिलेगी।

सीबीएसई और सीजी बोर्ड दोनों के लिए नियम लागू : निर्देशों के अनुसार सीबीएसई से जुड़े स्कूलों में केवल एनसीआरटीई का पाठ्यक्रम लागू रहेगा। सीजी बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में एसआरटीई द्वारा प्रकाशित किताबें निःशुल्क दी जाती रहेंगी।

सट्टा खिलाकर बाबू खेमानी ने बनाई करोड़ों की प्रॉपर्टी

रायपुर के घर में 5 लग्जरी गाड़ियां मिली,वीआईपी रोड-बागबाहरा में जमीन-दुकान खरीदी

रायपुर,25 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में सट्टे के मास्टरमाइंड बाबू खेमानी की ब्लैक मनी का बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के जरिए कई प्रॉपर्टी बनाई। पुलिस ने उसके रायपुर स्थित घर में रेड मारी, जहां से 5 लग्जरी कारें मिली है। मामला गंज थाना क्षेत्र का है। पुलिस को ये भी जानकारी मिली है कि, बाबू खेमानी ने शहर के कई इलाकों में निवेश किया है। आमानाका स्थित मारुति एनक्लेव के अलावा रविभवन में मोबाइल दुकान,जोरापारा में गोदाम,वीआईपीरोड और महासमुंद-बागबाहरा मेन रोड पर करीब 1 एकड़ जमीन उसके नाम पर दर्ज है। इन सभी संपत्तियों की वैधता की जांच पुलिस कर रही है।

खेमानी के पिता और भाई फरार

जानकारी के मुताबिक,पुलिस टीम ने सर्च वारंट के साथ आमानाका स्थित मारुति एनक्लेव में उसके घर में दबिश दी। मौके पर बाबू खेमानी की पत्नी,भाई करण की पत्नी और उसकी मां मौजूद थीं। पिता और भाई फरार है। पुलिस और क्राइम ब्रांच टीम की ये संयुक्त कार्रवाई थी। इस दौरान बीएमडब्ल्यू, क्रेटा सहित अन्य लग्जरी कारें और करोड़ों रुपए की संपत्ति से जुड़े डॉक्यूमेंट मिले हैं।

पिता और भाई की तलाश जारी

पुलिस ने बाबू खेमानी के साथ उसके पिता ब्रह्मानंद खेमानी और भाई करण खेमानी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

50 से अधिक आईडी इस्तेमाल करते थे : पुलिस के मुताबिक,बाबू उर्फ गुलशन खेमानी और उसका भाई करण ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने के लिए 50 से अधिक आईडी का इस्तेमाल करते थे। इसके लिए कई म्यूल बैंक खातों का भी सहारा लिया जाता था। पुलिस ने बाबू, करण और उनके परिवार के बैंक खातों के लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बाबू पहले महादेव बुक ऐप से जुड़ा था, लेकिन बाद में उसने अपना अलग नेटवर्क खड़ा कर लिया। सोशल मीडिया पर खुद को इन्फ्लुएंसर बताने वाला बाबू इंस्टाग्राम पर वीडियो और रील बनाता था, जिनमें कई आपत्तिजनक कंटेंट भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि राजधानी में सट्टेबाजी का नेटवर्क काफी बड़ा है,जिसमें क्लब,होटल और सराफा कारोबारी तक जुड़े हुए हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और आने वाले दिनों में बड़े खुलासे हो सकते हैं।

महतारी वंदन योजना में अब ई-केवाईसी की तारीख बढ़ी,30 जुलाई तक होगी

रायपुर,25अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही महिलाओं के लिए बड़ी खबर है। राज्य सरकार ने इस योजना के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया है। वहीं अब ई-केवाईसी तारीख 30 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। महतारी वंदन योजना के तहत ई-केवाईसी की समय सीमा पहले प्रक्रिया 30 जून तक पूरी करनी थी, लेकिन बड़ी संख्या में महिलाओं का सत्यापन बाकी होने के कारण अवधि बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

कई जगहों पर सर्वर की आ रही समस्या

प्रदेश के अलग-अलग जगहों पर ई-केवाईसी को लेकर कई स्थानों से शिकायतें भी सामने आई हैं. कुछ हितग्राहियों ने ऑपरेटरों द्वारा राशि लिए जाने की बात कही है, जबकि यह प्रक्रिया शासन की ओर से निःशुल्क निर्धारित की गई है. वहीं, कई गांवों में तकनीकी दिक्कतों और शिविरों के अभाव के कारण महिलाओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है. बताया जा रहा है कि सर्वर डाउन की भी समस्या आ रही है।

ई-केवाईसी कैसे करें?

महतारी वंदन योजना का लाभ उठाने वाली पात्र महिलाएं कॉमन सर्विस सेंटर,आंगनबाड़ी केंद्र,वार्ड ऑफिस और पंचायत कार्यालय में जाकर ई-केवाईसी करा सकती हैं। इस प्रक्रिया के तहत महिलाओं को अपना आधार कार्ड देना होगा। आधार कार्ड, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से कनेक्ट रहना चाहिए। पात्र महिलाओं को फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन कराना होगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी गुरप्रीत कौर ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में शिविर लगाकर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है।

कॉन्स्टेबल की पत्नी-बेटे को 32 बार चाकू गोदकर मारा

घर आई युवती ने पहले खाना मांगा, फिर किया वार,पति से था अफेयर

दुर्ग-भिलाई,25 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में युवती ने घर घुसकर आरक्षक की पत्नी और उसके 9 साल के बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने महिला पर 18 और सो रहे बच्चे पर चाकू से 14 वार किए। मामला सुपेला थाना क्षेत्र के STF कॉलोनी का है। इस हमले में 2 बेटियां गंभीर रूप से घायल हुई है। एक बेटी ने बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई। जानकारी के मुताबिक, आरक्षक ललितेश यादव STF में आरक्षक हैं और वर्तमान में बीजापुर में पदस्थ हैं। उसका युवती से अफेयर था। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था। ललितेश ने अपने बयान में बताया कि युवती से वह अटैच था,युवती उससे शादी करने की जिद कर रही थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पति घर पर नहीं था,तभी किया हमला : आरक्षक ललितेश 15 दिन की छुट्टी पर दुर्ग आया हुआ था। शनिवार (25 अप्रैल) सुबह घर पर पत्नी रीना यादव,एक बेटी तानिया (11),दूसरी बेटी नैना (12) और 9 साल का बेटा आदित्य घर पर मौजूद थे। पति रेलवे स्टेशन गया था।

बेटियों ने किसी तरह बचाई अपनी जान : बताया जा रहा है कि हमले के दौरान मां ने आरोपी युवती का पैर पकड़ा और बेटियों को भगाने के लिए कहा। एक बेटी तानिया (11) किसी तरह बाहर निकलकर पड़ोसियों को सूचना देने में सफल रही,जबकि दूसरी बेटी नैना (12) बाथरूम में छिप गई। सूचना मिलने पर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आरोपी युवती को पकड़ लिया। लोगों ने उसके हाथ से चाकू छीनकर पुलिस को सूचना दी।

आरक्षक और युवती की शादी की चर्चा : पड़ोसियों के अनुसार चर्चा है कि,आरक्षक और युवती ने शादी कर ली थी। फेसबुक के जरिए दोनों मिले थे। आरक्षक ने ही उसे दुर्ग में घर लेकर रखवाया था। शनिवार सुबह 6:30 बजे युवती सामान लेकर आरक्षक के घर पहुंची थी। इसके बाद सुबह 8 बजे तक यह पूरी वारदात हुई है।

पत्नी ने कॉल कर महिला के बारे में जानकारी दी...

पति ने बातचीत में कहा कि, कल हमारी मैरिज एनिवर्सरी थी। फैमिली को यूपी भेजना था, जिसके लिए शनिवार सुबह वह रिजर्वशन कराने गया था। इस दौरान युवती उसके घर पहुंची थी। पत्नी ने कॉल कर इसकी जानकारी दी।

युवती ने खाना मांगा,पूरी सब्जी खाई

घर आई युवती ने आरक्षक की पत्नी से खाना मांगा। पत्नी किचन में गई और एक रात पहले का बना पूरी सब्जी लाकर दी। युवती खाना खा ही रही थी। इस दौरान पत्नी अपने काम में व्यस्त हो गई। इसी समय एक बेटी नहाने गई थी, दूसरी पूजा कर रही थी, जबकि बेटा सोया हुआ था। तभी युवती ने चाकू से पहले सोये हुए बेटे पर हमला किया, फिर पत्नी पर वार किया। आवाज सुनकर दोनों बेटियां बाहर निकली। एक ने आसपास के लोगों को बुलाया।

धमतरी और बस्तर में सक्रिय था विदेशी गिरोह,अमेरिका के डेबिट कार्ड से 6.5 करोड़ के इस खेल ने प्रवर्तन निदेशालय उड़ाए होश

रायपुर,25 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में इस वक्त हड़कंप मचा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय की एक बड़ी रेड ने राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में चल रहे एक खतरनाक खेल का पर्दाफाश किया है। मामला 'द टिमोथी इनिशिएटिव' नाम के एक संगठन से जुड़ा है, जिस पर आरोप है कि उसने बिना किसी कानूनी रजिस्ट्रेशन के करोड़ों रुपये की विदेशी फंडिंग छत्तीसगढ़ के संवेदनशील इलाकों में खपा दी है।

बस्तर और धमतरी में विदेशी डेबिट कार्ड का खेल : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार,प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ के धमतरी और बस्तर जैसे इलाकों में चौंकाने वाली गड़बड़ी पकड़ी है। जांच में पता चला है कि द टिमोथी इनिशिएटिव से जुड़े लोगों ने अमेरिका के Truist Bank के डेबिट कार्ड्स का इस्तेमाल कर छत्तीसगढ़ के ATM से धड़ल्ले से कैश निकाला। हैरानी की बात यह है कि पूरे भार में करीब 95 करोड़ रुपये का संदिग्ध लेन-देन सामने आया है। अकेले छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बेल्ट में ही पिछले कुछ सालों में 6.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इन विदेशी कार्ड्स के जरिए निकाली गई।

एयरपोर्ट पर पकड़ा गया मास्टरमाइंड : इस पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ तब हुआ जब मीका मार्क नाम के एक शख्स को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर रोका गया। उसके पास से 24 विदेशी डेबिट कार्ड बरामद हुए। प्रवर्तन निदेशालय की तफ्तीश में यह बात सामने आई कि यह संगठन विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के तहत रजिस्टर्ड ही नहीं है, फिर भी करोड़ों की विदेशी फंडिंग को सीधे ATM से निकालकर स्थानीय गतिविधियों में इस्तेमाल किया जा रहा था।

छत्तीसगढ़ में चुनावी बिगुल : निकाय और पंचायतों के 1295 पदों पर उपचुनाव का ऐलान,निर्वाचन आयोग ने कसी कमर

रायपुर,25 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में स्थानीय सरकार के खाली पड़े पदों को भरने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनावी शंखनाद कर दिया है। प्रदेश के नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायतों में रिक्त कुल 1295 पदों पर उपचुनाव के लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। निर्वाचन आयोग के इस कदम के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है और राजनीतिक दलों ने अपनी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। यह चुनाव उन क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं जहां विभिन्न कारणों से पद रिक्त पड़े थे और विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। प्रशासन ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

गांव से शहर तक वोटिंग की गूंज: पार्षदों से लेकर पंच-सरपंचों का होगा फैसला : इस चुनावी प्रक्रिया के तहत नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में पार्षदों के रिक्त पदों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत सदस्य,जनपद सदस्य, सरपंच और पंचों के पदों पर मतदान होगा। आंकड़ों के अनुसार पंचायतों में रिक्त पदों की संख्या सबसे अधिक है,जहां जमीनी स्तर के जनप्रतिनिधियों का चुनाव किया जाना है। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि उपचुनावों के दौरान आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन कराया जाएगा और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। स्थानीय मतदाताओं में भी अपने नए प्रतिनिधियों को चुनने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि इन छोटे चुनावों के परिणाम सीधे तौर पर स्थानीय विकास और मूलभूत सुविधाओं को प्रभावित करते हैं।

सत्ता और विपक्ष के लिए लिटमस टेस्ट : उपचुनावों में दिखेगा सियासी दमखम: हालांकि ये उपचुनाव हैं,लेकिन राज्य की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां इसे आने वाले समय के लिए एक बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देख रही हैं। नगरीय निकायों और पंचायतों के ये नतीजे जनता के मूड को समझने का एक बड़ा जरिया साबित होंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन दाखिल करने से लेकर मतदान और मतगणना तक की तिथियां तय कर दी गई हैं।

हसदेव अरण्य खनन के खिलाफ अपील खारिज कानूनी मंजूरी के बाद हस्तक्षेप नहीं : हाईकोर्ट

बिलासपुर,25 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने हसदेव अरण्य खनन के खिलाफ अपील खारिज कर दी। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल डबल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति और जयनंदन सिंह पोर्ते ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। इसमें कहा था कि, ग्राम घठबार्रा के लोगों को वन अधिकार कानून, 2006 के तहत सामुदायिक अधिकार मिले थे। जिन्हें साल 2016 में जिला समिति ने रद्द कर दिया। याचिकाकर्ताओं ने 2022 में फेज-2 कोल ब्लॉक की मंजूरी को भी चुनौती दी थी। उनका कहना था कि ग्रामसभा की सहमति लिए बिना खनन की मंजूरी दी गई, जो अवैध है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति कोई वैधानिक संस्था नहीं है, इसलिए वह ग्रामसभा या ग्रामीणों की ओर से सामुदायिक अधिकारों का दावा नहीं कर सकती। हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार के साल 2012 और 2022 के आदेशों को सही ठहराते हुए कहा कि पारसा ईस्ट और केते बासन कोल ब्लॉक के फेज-1 और फेज-2 में खनन की प्रक्रिया वैध है। कोर्ट ने माना कि खनन की मंजूरी के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताओं और नियमों का पालन किया गया। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद याचिका खारिज कर दी थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)